राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार, 15 अक्टूबर 2022 वर्ष-5,अंक-259 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लद्दाख में सैन्य ऑपरेशन के लिए नए 4×4 स्वदेशी बख्तरबंद वाहन सौंपे, निजी कंपनी ने तैयार किए

नई दिल्ली। चीन से सटे लद्दाख के सीमावर्ती क्षेत्रों में भारतीय सेना की ताकत और बढ़ गई है। लद्दाख सेक्टर में सेना की फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स को स्वदेश में निर्मित तेज गति से चलने वाले बख्तरबंद वाहन मुहैया कराए गए हैं। लद्दाख सेक्टर में त्वरित सैन्य ऑपरेशन में यह वाहन सक्षम होंगे। इन 4×4 बख्तरबंद वाहनों को त्वरित प्रतिक्रिया बल में शामिल किया गया है। इन वाहनों को भारत में निजी क्षेत्र की फर्मों ने बनाया है।

4×4 बख्तरबंद वाहनों की पहली खेप जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के लिए तैयार की गई है। ये वाहन कठिन और चुनौतीपूर्ण इलाकों में सैन्य क्षमताओं में इजाफा करेंगे। इन वाहनों की जम्मू कश्मीर के लिए पहली खेप औपचारिक रूप से उधमपुर स्थित कमान मुख्यालय में भारत फोर्ज लिमिटेड के अधिकारियों से जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (त्ढ्ढष्ट-द्वठ्ठ-ष्ट) उत्तरी कमान, लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने प्राप्त की थी। उत्तरी कमान ने त्वरित प्रतिक्रिया बल (त्क्रस्न) के लिए इन वाहनों को तैनात किया। क्यूआरएफ सेना की खास इकाई है। यह आपात स्थितियों में तेजी से सैन्य कार्रवाई करने में सक्षम है। बता दें, पूर्वी लद्दाख में बीते दो सालों से चीन व भारत के बीच सैन्य गतिरोध कायम है। कुछ इलाकों से दोनों देशों की सेना हटा ली गई है, लेकिन कई क्षेत्रों को लेकर अब भी विवाद कायम है। लद्दाख की गलवान घाटी में दोनों देशों की सेना के बीच जून 2020 में हिंसक झड़प हुई थी।

केजरीवाल के आदेश पर पीएम मोदी की मां को गाली, चुनौती दे 'आप' पर बरसीं स्मृति ईरानी

नई दिल्ली। पीएम मोदी की मां हीराबेन पर आम आदमी पार्टी (आप) के गुजरात चीफ गोपाल इटालिया की विवादित टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर जोरदार प्रहार किया है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा है कि आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के आदेश पर ही पीएम मोदी की मां का अपमान किया गया। स्मृति ने कहा कि शब्द भले ही इटालिया के थे लेकिन आदेश केजरीवाल का था। उन्होंने यह भी चुनौती दी कि केजरीवाल गुजरात की धरती पर पीएम की मां पर इस तरह टिप्पणी करके बताएं, गुजरात की जनता उन्हें जवाब देगी। स्मृति ईरानी ने कहा, 'आप का एक नेता एक 100 वर्षीय महिला का अपमान इसलिए करता है क्योंकि उस मां ने ऐसे बेटे को जन्म दिया जिसने देश का आशीर्वाद पाकर प्रधानसेवक के दायित्व का निर्वहन किया। अरविंद केजरीवाल जानते हैं कि गुजरात के उनके नेता हिंदू समाज का अपमान करते रहे, मंदिर में महिला की भूमिका पर मर्यादा से परे हटकर टिप्पणी की और अब इस नेता ने प्रधानसेवक की 100 वर्षीय मां का अपमान सिर्फ इसलिए किया क्योंकि वह अपनी

राजनीतिक चमकाना चाहता है।'

स्मृति ने कई बार इस बात को दोहराया कि गोपाल इटालिया ने जो भी कहा वह अरविंद केजरीवाल के आदेश पर ही कहा। स्मृति ने कहा, कोई भी प्रवक्ता कोई भी जनप्रतिनिधि बिना अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर एक शब्द नहीं बोलता। आपको यह शब्द भले ही गुजरात के किसी नेता का लगता हो, आदेश केजरीवाल का है। क्या पहली बार है कि इस नेता ने मर्यादा का उल्लंघन किया है। क्या केजरीवाल नहीं जानते कि किस तरह के बयान उनके नेता दे रहे हैं। यह जानबूझकर केजरीवाल के निर्देश पर पीएम मोदी की मां का अपमान किया गया। शब्द केजरीवाल के एक नेता के जरूर हों, आदेश केजरीवाल का था।

'सरेशाम किशोरी से गैंगरेप, दो को पकड़कर पुलिस को सौंपा

स्मृति ने पूछा कि क्या आप अपने राजनीतिक फायदे के लिए इस हद तक गिर सकते हैं? यह अंदर के चरित्र का प्रमाण है। स्मृति ने पूछा, उस 100 साल की महिला ने क्या पाप किया। उस 100 साल की महिला का राजनीति से क्या सरोकार। आपको हमला करना है तो जो राजनीतिक लोग हैं उन पर हमला करिए ना, एक 100 साल की मां पर आप हमला कर रहे हैं, दोबारा कहती हूं कि केजरीवाल के आदेश पर यह हुआ है। आपका कोई भी प्रतिद्वंद्वी हो आप किसी की मां को इस तरह गाली देंगे।

गुजरात में पीएम मोदी की मां पर बोलकर दिखाएं केजरीवाल-स्मृति

स्मृति ने कहा कि यह राजनीतिक विवशता नहीं है, यह चरित्र का प्रमाण है। हीरा बा का राजनीति से क्या लेना देना है। मंत्री ने कहा, आप मुझे बताएं कि नरेंद्र भाई ने कब जाति के आधार पर राजनीति की हो। आप के भी कोई प्रतिद्वंद्वी होंगे यह कैसे स्वीकार कर सकते हैं कि 100 साल की वृद्ध पर ऐसे हमले हों। चुनौती देती हूं कि गुजरात की धरती पर अपने मुंह से एक बार मोदी की मां को गाली दें। खुद को कृष्ण का अवतार कहते हैं, क्या कृष्ण ऐसे थे।

● स्मृति ने कहा कि शब्द भले ही इटालिया के थे लेकिन आदेश केजरीवाल का था। उन्होंने यह भी चुनौती दी कि केजरीवाल गुजरात की धरती पर पीएम की मां पर इस तरह टिप्पणी करके बताएं, गुजरात की जनता उन्हें जवाब देगी। स्मृति ईरानी ने कहा, 'आप का एक नेता एक 100 वर्षीय महिला का अपमान इसलिए करता है क्योंकि उस मां ने ऐसे बेटे को जन्म दिया जिसने देश का आशीर्वाद पाकर प्रधानसेवक के दायित्व का निर्वहन किया।

मॉस्को से दिल्ली आ रहे विमान में बम की सूचना से हड़कंप, 400 लोग थे सवार

मॉस्को से दिल्ली आ रहे विमान में बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया। विमान शुक्रवार तड़के लगभग 3.20 बजे आईजीआई के रनवे पर उतरा। सभी यात्री और क्रू मेंबर्स पूरी तरह सुरक्षित हैं।

नई दिल्ली। मॉस्को से दिल्ली आ रही फ्लाइट संख्या एसयू 232 में गुरुवार रात बम होने की सूचना मिली। शुक्रवार तड़के लगभग 3.20 बजे यह विमान आईजीआई के रनवे संख्या 29 पर उतरा। जहां फ्लाइट से 386 यात्री और 16 क्रू मेंबर को उतारा गया। इसके बाद विमान की जांच की गई जिसमे कुछ संदिग्ध नहीं मिला है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि विमान की जांच की जा रही है और तहकीकात जारी है। जानकारी के अनुसार, रात को 11.30 बजे दिल्ली पुलिस को एक फोन आया। जिसमें बताया गया कि मॉस्को से दिल्ली आ रहे विमान में बम है। इसके बाद सभी एजेंसियों को अलर्ट किया गया। विमान के तड़के 3.30 बजे आईजीआई एयरपोर्ट पर लैंड होते ही सभी यात्रियों के बैग और सामान की चेकिंग की गई। फ्लाइट को भी चेक किया गया। रेस्क्यू टीम भी आईजीआई एयरपोर्ट पहुंची। अभी तक की जांच में पुलिस को कुछ संदिग्ध नहीं मिला है। इसलिए माना जा रहा है कि यह किसी शरारती तत्व की हरकत होगी।

बीएसएफ ने पाकिस्तान की एक और नापाक कोशिश को किया नाकाम, एलओसी पर मार गिराया ड्रोन

उन्होंने कहा, ड्रोन पाकिस्तान की देवरी फॉरवर्ड पोस्ट के जरिए भारतीय सीमा में घुसा था। जिस इलाके में ड्रोन भेजा गया था, वह घने जंगलों वाला है। ड्रोन को गन्ने के खेत में मार गिराया गया।

नई दिल्ली। एलओसी पर पाकिस्तान की घुसपैठ की एक और कोशिश नाकाम कर दी गई है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने शुक्रवार को अजनाला सब-डिवीजन के अंतर्गत आने वाले रामसास गांव के पास एक ड्रोन को मार गिराया है। घटना सुबह करीब चार बजे की है। ड्यूटी पर तैनात कर्मियों ने ड्रोन की आवाज जैसे ही सुनी कि ऐकश्न में आए गए। इसके बाद कार्रवाई करते हुए ड्रोन को मार गिराया गया।

गुरदासपुर रेंज के डीआईजी प्रभाकर जोशी ने कहा, शाहपुर बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) के पास तैनात 73 बटालियन के जवानों ने ड्रोन को नीचे उतारा। ड्यूटी पर हमारे सैनिकों ने निपुणता दिखाया और फायरिंग कौशल और साहस का परिचय दिया। भारतीय क्षेत्र में धुसने के बाद ड्रोन को तुरंत मार गिराया गया। उन्होंने

कहा, ड्रोन पाकिस्तान की देवरी फॉरवर्ड पोस्ट के जरिए भारतीय सीमा में घुसा था। जिस इलाके में ड्रोन भेजा गया था, वह घने जंगलों वाला है। ड्रोन को गन्ने के खेत में मार गिराया गया। गोलाबारी के अलावा, आकाश को रोशन करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रोशन बम भी हमारे सैनिकों द्वारा दागे गए। जांच करने पर ड्रोन से एक रस्सी भी जुड़ी हुई मिली। बीएसएफ और पंजाब पुलिस अभी भी इलाके की तलाशी ले रही है।

मुख्यमंत्री शिंदे से मिले विवादित पूर्व पुलिस अधिकारी परमबीर सिंह

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से गुरुवार देरात विवादित पूर्व पुलिस अधिकारी परमबीर सिंह ने मुलाकात की है। दोनों के बीच आधे घंटे तक चर्चा हुई। हालांकि इस मुलाकात का कोई आधिकारिक विवरण नहीं दिया गया है पर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। परमबीर सिंह ने पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख पर 100 करोड़ रुपये प्रतिमाह वसूली का लक्ष्य देने का आरोप लगाया था। इसी वजह से अनिल देशमुख को गृहमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल देशमुख को गिरफ्तार किया था। इस समय अनिल देशमुख न्यायिक हिरासत में हैं। वह आर्थर रोड जेल में बंद हैं। इसके बाद परमबीर सिंह पर रंगदारी के मामले गोरेगांव पुलिस स्टेशन, मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन , ठाणे के नौपाड़ा पुलिस स्टेशन और कल्याण में दर्ज किए गए थे। परमबीर सिंह 30 जून को सेवानिवृत्त हो चुके हैं हैं। चर्चा है कि परमबीर सिंह क्लीन चिट पाने के लिए मुख्यमंत्री से मिले हैं। इससे पहले अवैध तरीके से फोन टेपिंग मामले में आरोपित वरिष्ठ

पुलिस अधिकारी रश्मि शुक्ला उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिली थीं । इसके बाद पुणे जिले की बंडगार्डेन पुलिस ने सेशन कोर्ट में रश्मि शुक्ला के मामले में क्लोजर रिपोर्ट पेश की थी।

गुरमीत राम रहीम को मिली 40 दिन की पैरोल, ये होगा डेरा प्रमुख का नया ठिकाना

डेरा प्रमुख गुरमीत सिंह राम रहीम को पैरोल मिल गई है। इस बार गुरमीत राम रहीम को 40 दिनों की जेल से बाहर रहेगा। राम रहीम को राजस्थान स्थित आश्रम में ले जाया जा सकता है। बता दें कि इस वर्ष राम रहीम दो बार पैरोल पर जेल से बाहर आ चुके हैं। इसी साल...

रोहतक। डेरा प्रमुख गुरमीत सिंह राम रहीम को पैरोल मिल गई है। इस बार गुरमीत राम रहीम को 40 दिनों की जेल से बाहर रहेगा। राम रहीम को राजस्थान स्थित आश्रम में ले जाया जा सकता है। बता दें कि इस वर्ष राम रहीम दो बार पैरोल पर जेल से बाहर आ चुके हैं। इसी साल पंजाब चुनाव से ठीक पहले 7 फरवरी को 21 दिन की फरलो मिली थी। इसके बाद 17 जून को फिर से राम रहीम को 30 दिन की पैरोल मिली थी, जिस दौरान वे उत्तर प्रदेश के बागपत आश्रम में रूके और सत्संग भी किया।राम रहीम के

सुनारिया जेल वापिस जाने के 77 दिनों में हालात काफी बदल चुके हैं। उनकी दोनों बेटियां अमरप्रीत, चरणप्रीत और बेटा जसमीत अपने परिवार समेत विदेश जा चुके हैं।

चुनाव में बढ़ेगी डेरा की भागीदारी

देशभर में रिक्त सीटों पर 3 नवंबर को उपचुनाव की घोषणा के साथ-साथ निकट भविष्य में हिमाचल प्रदेश व गुजरात चुनाव को लेकर डेरा सच्चा सौदा की सरगर्मियां बढ़ सकती हैं। इन राज्यों में डेरा के कार्यक्रम में उमड़ रही भीड़ भी राजनीतिक दलों के लिए चिंता का विषय हो सकती है।

37वें दिन कर्नाटक के रामपुरा से शुरू हुई यात्रा, कांग्रेस बोली- तिरंगे से मिल रही ताकत

नई दिल्ली। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का आज 37वां दिन है। दिन की शुरुआत होते ही कर्नाटक के रामपुरा से यह यात्रा शुरू हो गई। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ कई पार्टी कार्यकर्ता व लोगों को हुजूम दिखाई दिया। कांग्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल पर भारत जोड़ो यात्रा का एक वीडियो भी ट्वीट किया है। इसमें लिखा गया है कि ताकत तिरंगे से मिल रही है... ÷इसलिए हर दिन आसान लग रहा है। भारत जोड़ो यात्रा के एक और दिन ने दस्तक दी है।÷

आंध्र प्रदेश में प्रवेश करेगी यात्रा

कांग्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल पर भारत जोड़ो यात्रा का एक वीडियो भी ट्वीट किया है, इसमें राहुल गांधी के साथ कई कार्यकर्ता व लोगों को हुजूम दिखाई दे रहा है।

पार्टी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, कर्नाटक के बाद यह यात्रा आज आंध्र प्रदेश में प्रवेश करेगी। यहां के अनंतपुर के ओबालापुरम में राहुल गांधी समेत अन्य कार्यकर्ता कुछ समय के लिए रुकेंगे। इस दौरान भारत जोड़ो यात्रा टीम की ओर से एक ट्वीट किया गया जिसमें लिखा गया, एक और उल्लेखनीय दिन। तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक- जहां भी भारत जोड़ो यात्रा जाती है, प्यार हमारा पीछा करता है।

कांग्रेस पदाधिकारियों के अनुसार, राहुल गांधी आंध्र प्रदेश में जजिरकल्लू टोल प्लाजा से प्रवेश करेंगे, जहां वह शाम 4.30 बजे तक रुकेंगे और फिर आगे बढ़ेंगे। हालांकि, वह शाम को वापस कर्नाटक लौट आएंगे। बता दें, भारत जोड़ो यात्रा ने 30 सितंबर को कर्नाटक में प्रवेश किया और 21 दिनों में 511 किमी दूरी तय करेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

तोल-मोल के बोल

धार्मिक संगठनों के ठेकेदार तो इस तरह के कृत्यों में शामिल रहे ही, लेकिन जब जनता द्वारा चुने गये जनप्रतिनिधि इस तरह का अनर्गल प्रलाप करें तो स्थिति विकट हो जाती है। कुछ नेताओं को लगता है कि संप्रदाय विशेष के खिलाफ की गई उनकी अतिरंजित टिप्पणियां उनका जनाधार बढ़ाएंगी। लेकिन कहीं न कहीं वे सामाजिक समरसता को पलीता लगा रहे होते हैं।

भड़काऊ बयानबाजी से लोकतंत्र अधीर/ हाल के वर्षों में राजनीतिक-धार्मिक मंचों से ऐसी अप्रिय बयानबाजी के मामले प्रकाश में आते रहे हैं, जो भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश की आकांक्षाओं और मिजाज के अनुरूप कतई नहीं थे। अभद्र व अप्रिय बयानबाजी के खिलाफ देश की शीर्ष अदालत भी गाहे-बगाहे सख्त टिप्पणी करती रही है। धार्मिक संगठनों के ठेकेदार तो इस तरह के कृत्यों में शामिल रहे ही, लेकिन जब जनता द्वारा चुने गये जनप्रतिनिधि इस तरह का अनर्गल प्रलाप करें तो स्थिति विकट हो जाती है। कुछ नेताओं को लगता है कि संप्रदाय विशेष के खिलाफ की गई उनकी अतिरंजित टिप्पणियां उनका जनाधार बढ़ाएंगी। लेकिन कहीं न कहीं वे सामाजिक समरसता को पलीता लगा रहे होते हैं। एक वर्ग को आशंकित कर रहे होते हैं। हकीकत में जब कोई व्यक्ति जनप्रतिनिधि चुना जाता है तो वह हर धर्म, संप्रदाय और क्षेत्र का प्रतिनिधि होता है, उसका काम बिना किसी भेदभाव-पक्षपात के सर्वांगीण विकास करना होता है। हाल के दिनों में दिल्ली में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में आक्रामक व आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने वाले दिल्ली के एक सांसद व उत्तर प्रदेश के एक विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उनके भड़काऊ बयानों वाला वीडियो वायरल होने के बाद यह कार्रवाई हुई है। लेकिन विडंबना यह है कि उनके पार्टी नेतृत्व की तरफ से इन जनप्रतिनिधियों के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई। निस्संदेह, कानून का काम हर उस व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना होता है, जो सामाजिक अशांति का वाहक है। अब चाहे वह सत्तारूढ़ दल का निर्वाचित जनप्रतिनिधि ही क्यों न हो। कार्रवाई करने में किसी तरह का पक्षपात नहीं होना चाहिए। ताकि किसी नेता को यह भ्रम न रहे कि ऐसे भड़कीले बयानों से वह अपना जनाधार बढ़ा सकता है। बहरहाल, दिल्ली में जनप्रतिनिधियों के खिलाफ प्राथमिकी का दर्ज होना यह संदेश दे गया है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। इस बाबत सुप्रीम कोर्ट ने भी एक याचिका की सुनवाई करते वक्त कहा था कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ अभद्र भाषा के प्रयोग से पूरा माहौल खराब हो रहा है। यही नहीं, कोर्ट ने उत्तराखंड व दिल्ली सरकार द्वारा भड़काऊ बयान देने वाले वक्ताओं के खिलाफ की गई पुलिस कार्रवाई पर जवाब मांगा था। दरअसल, पिछले साल आयोजित धर्म संसद के दौरान ऐसे जहरीले बयान सामने आये थे कि उसकी प्रतिक्रिया देश में ही नहीं, विदेशों से भी आई थी। अदालत का कहना था कि आक्रामक व अभद्र भाषा किसी घातक हथियार की तरह होती है। तब अदालत ने मूकदर्शक बने रहने पर केंद्र सरकार की भी खिंचाई की थी। साथ ही टीवी चैनलों पर होने वाली बहसों पर चिंता जताते हुए कहा था कि ये अब अभद्र भाषा के मंच बन गये हैं। जिनको नियमन के दायरे में लाने की आवश्यकता है। निस्संदेह, इस तरह के भड़कीले बयान जहां एक वर्ग को उत्तेजित करते हैं, वहीं शांति व कानून व्यवस्था के लिये खतरा पैदा करते हैं। जो भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की अंतर्राष्ट्रीय छवि पर भी दाग लगाते हैं। कुछ समय पहले धर्म विशेष के आराध्य को लेकर दिये गये अनर्गल बयान की तीखी प्रतिक्रिया देश के अलावा तमाम इस्लामिक देशों में हुई थी। जिसके चलते केंद्र सरकार खुद असहज स्थिति में फंस गई थी। तब बढ़ते दबाव के बीच बयान देने वाली सत्तारूढ़ दल की नेत्री को पार्टी से निकाल दिया था। निस्संदेह, इस विकट स्थिति में देश के राजनीतिक व धार्मिक नेतृत्व का दायित्व बनता है कि कट्टरपंथियों और अराजक तत्वों को नियंत्रित करे। यदि वे लक्ष्मण रेखा लांघते नजर आते हैं तो उन्हें पार्टी व संगठन से बाहर का रास्ता दिखायें। निस्संदेह, शीर्ष नेतृत्व पर सकारात्मक बयानबाजी और निचले स्तर पर जहरीली बातें साथ-साथ नहीं चल सकती। हालांकि ऐसा भी नहीं है कि ऐसी बयानबाजी सिर्फ बहुसंख्यक समाज के संगठनों की तरफ से होती है। पिछले दिनों पीएफआई के कार्यक्रम में बहुसंख्यक व अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ घातक बयानबाजी की गई थी। नफरत फैलाने की इन कोशिशों के बाद ही इस संगठन के खिलाफ देशव्यापी कार्रवाई हुई और इसे प्रतिबंधित किया गया।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

एक बहरे का मित्र बहुत बीमार था। उसने सोचा कि मुझे उसे मिलने जरूर जाना चाहिए परन्तु वह सोचने लगा कि 'मैं उसकी बात कैंसे सुनूंगा पर उसने सोचा जाने में हर्ज क्या हैं। रात मैं ज्यादा बात ही नहीं करूंगा। पूछूंगा कैसी तबियत है, फिर पूछूंगा किसकी दवाई चल रही है फिर उससे खाने-पीने के बारे में पूछूंगा। सोचते-सोचते वह मित्र के घर जा पहुंचा और बोला, 'तबियत कैसी हां?'

मित्र, 'मर रहा हूं।'

बहरा मित्र, 'अच्छा है। भगवान ऐसा ही करे। दवा किसकी चल रही है?'

मित्र, 'भूत की।'

बहरा मित्र, 'हां वह अच्छे डाक्टर हैं। दवा से ठीक हो जाओगे। खाना में क्या बताया है।'

मित्र (तंग आकर), 'पत्थर।'

बहरा मित्र, 'ठीक है। पचने में हल्का है।'

□ □ □

दो मुर्गो में बातचीत हो रही थी। एक बोला, 'आज कल तुम बहुत आलसी हो गए हो। सुबह बांग ही नहीं देते। क्या कारण हैं?'

दूसरा मुर्गा बोला, 'आलसी तो मेरा मालिक हो गया है सुबह घड़ी में अलार्म ही नहीं लगाता। मेरी आंख ही नहीं खुलती।'

डा. अब्दुल कलाम की सादगी और उनके आदर्श

- अब्दुल कलाम जयंती (15 अक्तूबर) पर विशेष

लेखक- - योगेश कुमार गोयल

तमिलनाडु के एक छोटे से गांव में एक मध्यमवर्गीय परिवार में 15 अक्तूबर 1931 को जन्मे डा. कलाम छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए अक्सर कहा करते थे कि छात्रों के जीवन का एक तय उद्देश्य होना चाहिए और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि वे हरसंभव स्रोतों से ज्ञान प्राप्त करें। छात्रों की तरक्की के लिए उनके द्वारा जीवन पर्यन्त किए गए महान् कार्यों को देखते हुए ही सन् 2010 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा उनका 79वां जन्म दिवस 'विश्व विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से डा. कलाम के जन्मदिवस 15 अक्तूबर को ही प्रतिवर्ष 'विश्व विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है।

देश के महान् वैज्ञानिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति, प्रख्यात शिक्षाविद् डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अवुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) सच्चे अर्थों में ऐसे महानायक थे, जिन्होंने अपना बचपन अभावों में बीतने के बाद भी अपना पूरा जीवन देश और मानवता की सेवा में व्यतीत कर दिया। छात्रों और युवा पीढ़ी को दिए गए उनके प्रेरक संदेश तथा उनके स्वयं के जीवन की कहानी देश की आने वाले कई पीढ़ियों को भी सदैव प्रेरित करने का कार्य करती रहेगी। न केवल भारत के लोग बल्कि पूरी दुनिया मिसाइल मैन डा. कलाम की सादगी, धर्मनिरपेक्षता, आदर्शों, शांत व्यक्तित्व और छात्रों व युवाओं के प्रति उनके लगाव की कायल थी। डा. कलाम देश को वर्ष 2020 तक आर्थिक शक्ति बनते देखना चाहते थे। पढ़ाई-लिखाई को तरक्की का साधन बताने वाले डा. कलाम का मानना था कि केवल शिक्षा के द्वारा ही हम अपने जीवन से निर्धनता, निरक्षरता और कुपोषण जैसी समस्याओं को दूर कर सकते हैं। उनके ऐसे ही महान विचारों ने देश-विदेश के करोड़ों लोगों को प्रेरित करने और देश के लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया। उनका ज्ञान और व्यक्तित्व इतना विराट था कि उन्हें दुनियाभर के 40 विश्वविद्यालयों ने डॉक्ट्रेट की मानद उपाधि प्रदान की।

तमिलनाडु के एक छोटे से गांव में एक मध्यमवर्गीय परिवार में 15 अक्तूबर 1931 को जन्मे डा. कलाम छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए अक्सर कहा करते थे कि छात्रों के जीवन का एक तय उद्देश्य होना चाहिए और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि वे हरसंभव स्रोतों से ज्ञान प्राप्त करें। छात्रों की तरक्की के लिए उनके द्वारा जीवन पर्यन्त किए गए महान् कार्यों को देखते हुए ही सन् 2010 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा उनका 79वां जन्म दिवस 'विश्व विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से डा. कलाम के जन्मदिवस 15 अक्तूबर को ही प्रतिवर्ष 'विश्व विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है।

समय-समय पर युवाओं को दिए गए उनके प्रेरक संदेशों की बात करें तो वे कहा करते थे कि अगर आप सूरज की तरह चमकना चाहते हो तो पहले सूरज की तरह जलना सीखो। वे कहते थे कि अगर आप फेल होते हैं तो निराश मत होइए क्योंकि फेल होने का अर्थ है 'फर्स्ट अटैंप्ट इन लर्निंग' और अगर आपमें सफल होने का मजबूत संकलप है तो असफलता आप पर हावी नहीं हो सकती। इसलिए सफलता और परिश्रम का मार्ग अपनाओ, जो सफलता का एकमात्र रास्ता है। डा. कलाम कहते थे कि आप अपना भविष्य नहीं बदल सकते लेकिन अपनी आदतें बदल सकते हैं और निश्चित रूप से आपकी आदतें आपका भविष्य बदल देंगी। वे हमेशा कहा करते थे कि महान सपने देखने वाले महान लोगों के सपने हमेशा पूरे होते हैं। उनका कहना था कि इंसान को कठिनाइयों की आवश्यकता होती है क्योंकि सफलता का आनंद उठाने के लिए कठिनाईयां बहुत जरूरी हैं। सपने देखना जरूरी है लेकिन केवल सपने देखकर ही उसे हासिल नहीं किया जा सकता बल्कि सबसे जरूरी है कि जिंदगी में स्वयं के लिए कोई लक्ष्य तय करें। कलाम साहब कहते थे कि इस देश के सबसे तेज दिमाग स्कूलों की आखिरी बेंचों पर मिलते हैं। हम सबके पास एक जैसी प्रतिभा नहीं है लेकिन अपनी प्रतिभाओं को विकसित करने के अवसर सभी के पास समान हैं। सादगी की प्रतिमूर्ति डा. कलाम का व्यक्तित्व कितना विराट था, इसे परिभाषित करते कई किस्से भी सुनने को मिलते हैं। डा. कलाम राष्ट्रपति जैसे देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन रहते हुए भी आम लोगों से मिलते रहे। एक बार कुछ युवाओं ने उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की और इसके लिए उन्होंने उनके कार्यालय को चिट्ठी लिखी। चिट्ठी मिलने के बाद डा. कलाम ने उन युवाओं को अपने पर्सनल चैंबर में आमंत्रित किया और वहां न केवल उनसे मुलाकात ही की बल्कि उनके विचार, उनके आइडिया सुनते हुए काफी समय उनके साथ गुजारा।

जिस समय डा. कलाम भारत के राष्ट्रपति थे, तब वे एक बार आईआईटी के एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए पहुंचे। उनके पद की गरिमा का सम्मान करते हुए आयोजकों द्वारा उनके लिए मंच के बीच में बड़ी कुर्सी लगवाई गई। डा. कलाम जब वहां पहुंचे और उन्होंने केवल अपने लिए ही इस प्रकार की विशेष कुर्सी की व्यवस्था देखी तो उन्होंने उस कुर्सी पर बैठने से इन्कार कर दिया, जिसके बाद आयोजकों ने उनके लिए मंच पर लगी दूसरी कुर्सियों जैसी ही कुर्सी की व्यवस्था कराई।

उनके मन में दूसरे जीवों के प्रति भी किस कदर करूणा और दयाभाव विद्यमान था, इसका अंदाजा इस घटनाक्रम से सहज ही लग जाता है। जब 1982 में वे डीआरडीओ के चेयरमैन बने तो उनकी सुरक्षा के लिए डीआरडीओ की सेफ्टी वाल्स पर कांच के टुकड़े लगाने का प्रस्ताव लाया गया लेकिन कलाम साहब ने यह कहते हुए उसके लिए साफ इनकार कर दिया था कि दीवारों पर कांच के टुकड़े लगाने से पक्षी नहीं बैठ पाएंगे और ऐसा करने की प्रक्रिया में पक्षी घायल भी हो सकते हैं। इस कारण उस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था।

राष्ट्रपति जैसे बड़े पद पर पहुंचने के बाद भी कलाम अपने बचपन के दोस्तों को नहीं भूलते थे। 2002 में राष्ट्रपति बनने के बाद जब एक बार वे तिरुअनंतपुरम के राजभवन में मेहमान थे, तब उन्होंने अपने स्टाफ को वहां के एक मोची और ढ़ाबे वाले को खाने पर बुलाने का निर्देश दिया। सभी उनके इस निर्देश को सुनकर हैरान था। बाद में पता चला कि ये दोनों कलाम साहब के बचपन के दोस्त थे। दरअसल कलाम साहब ने अपने जीवन का बहुत लंबा समय केरल में ही बिताया था और उसी दौरान उनके घर के पास रहने वाले उस मोची तथा ढ़ाबे वाले से उनकी दोस्ती हो गई थी। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे तिरुअनंतपुरम पहुंचे, तब भी वे अपने इन दोस्तों को नहीं भूले और उन्हें राजभवन बुलाकर उन्हीं के साथ खाना खाकर उन्हें इतना मान-सम्मान दिया।

डा. कलाम के जीवन के अंतिम पलों के बारे में उनके विशेष कार्याधिकारी रहे सृजन पाल सिंह ने लिखा है कि शिलांग में जब वह डा. कलाम के सूट में माइक लगा रहे थे तो उन्होंने पूछा था, 'फनी गाय हाउ आर यू', जिस पर सृजन पाल ने जवाब दिया 'सर ऑल इज वेल'। उसके बाद डा. कलाम छात्रों की ओर मुड़े और बोले 'आज हम कुछ नया सीखेंगे' और इतना कहते ही वे पीछे की ओर गिर पड़े। पूरे सभागार में सन्नाटा पसर गया और इस प्रकार इस महान् विभूति ने दुनिया से सदा के लिए विदा ले ली।

(लेखक 32 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

कमाल थे भारत के कलाम साहब!!

(लेखिका- डॉ. नाज़ परवीन)

भारत के कलाम साहब! जिनकी शख्सियत कमाल की थी। उनका सरल स्वभाव, सादा जीवन और ऊंचे सपने देखने की ललक उन्हें वैश्विक परिदृश्य में एक अलग पहचान देती है। उनका बच्चों के बीच खुलकर विचार-विमर्श करना, उन्हें सपने देखने के लिए प्रेरित करना, उनकी जिज्ञासा को बढ़ने देना ताकि वो कुछ नया सीख पाए। उनके सपनों को पंख देना ताकि वो अपनी उड़ान से भारत को नई बुलंदियों पर ले जाए, उनकी खुली आंखों का सपना था। कलाम साहब की ऐसी असंख्य खूबियां उन्हें बच्चों के पसंदीदा शिक्षक और युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत बनाती है।

भारत की बेमिसाल शख्सियत डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का सपना भारत को आर्थिक रूप से समृद्ध और शक्तिशाली देश बनाने का था। जिसे उन्होंने अपने अंतिम समय तक पूरा करने का प्रयास किया। वो भारत के कलाम थे और पूरा भारत उनमें बसता था। सशक्त भारत का ख़्वाब बदलते भारत की तस्वीर में साफ तौर पे देखा जा सकता है। हम तरक्की के नये पायदानों को पार करते आज ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। हालाँकि बहुत से अपवाद अभी भी हैं और होंगे ही वो स्वाभाविक हैं लेकिन उन अपवादों से इतर कलाम साहब का भारत विश्व के मानचित्र पर अपनी धाक बनाये हुए है। अब्दुल कलाम जी का जन्म तमिलनाडु में रामेश्वरम के तमिल मुस्लिम परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को हुआ था। डॉ. कलाम का सफर रामेश्वरम से शुरू हुआ और भारत के राष्ट्रपति के पद तक पहुचें लेकिन उनकी पहली पसंद एक टीचर बने रहना ही रही। उन्होंने अपने जीवन को एक बेहतरीन लर्नर के रूप में ढाला। दुनिया के इस बेमिसाल टीचर ने अपने जिंदगी का आखिरी लम्हा 27 जुलाई सन् 2015 को अपने देश की युवा पीढ़ी के सामने ही मुकम्मल किया। उनके जीवन के वो आखिरी पल जब दुनिया को अलविदा कहने का वक़्त आया, देश की यादगार धरोहर की तरह कैमरे में कैद हो गए।

डा. कलाम साहब का सपना था भारत को 2020 तक आत्मनिर्भर भारत के रूप में वैश्विक पहचान बनते हुए देखें भारत की आने वाली नई पीढ़ी को थमा कर चले गए कलाम साहब। कलाम साहब के रहते देश ने एक के बाद एक कई तारीखी इबारतें लिखीं। सन् 1980 में जब रोहिणी उपग्रह भारत का पहला स्वदेश-निर्मित प्रक्षेपण यान एसएलवी-3 बना, डा. कलाम साहब बेहद खुश थे। यह देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मजबूत कदम था। भारत अन्तरराष्ट्रीय अंतरिक्ष क्लब का सदस्य बन गया। डॉ. कलाम भारत को टेक्नोलॉजी की दुनिया में आत्मनिर्भर बनाने की इबारत लिखने की तैयारियों में जुट गए। डा. कलाम ने स्वदेशी गाइडेड मिसाइल को डिजाइन किया।

भारतीय तकनीक से पृथ्वी और अग्नि जैसी मिसाइलों को बनाया। भारत की सरजमीं से बेइन्तेहां मोहब्बत करने वाले भारत के इस होनहार बेटे ने भारत की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए कई सफल प्रयोग किए। दुनिया जानती है कि डा. कलाम ने शादी नहीं की, उनकी कोई औलाद नहीं थी। लेकिन उनका बच्चों से बेशुमार प्रेम था। एक बार उनसे किसी विदेशी पत्रकार ने ऐसा ही सवाल पूछा, कि आपकी कोई संतान नहीं है, फिर भी आप बच्चों से इतना प्यार करते हैं क्यों? कलाम साहब मुस्कुराए और बडी शालीनता से बोले, मेरे तीन बच्चे हैं पृथ्वी, अग्नि और ब्रहमोस। यकीनन् राष्ट्रप्रेम और भारत को दुनिया के मानचित्र में विकसित देशों की श्रेणी में लाने का उनका प्रयास ही उनका वास्तविक प्रेम था। जिसके परिणाम स्वरूप भारत के करोड़ों बच्चों की आज भी कलाम साहब पहली पसंद हैं। लगभग पांच वर्षो के अथक परिश्रम के फलस्वरूप जब 'अग्नि' मिसाइल का सफल परीक्षण हुआ। तब डॉ. कलाम कहते हैं कि 'अग्नि को इस नजर से मत देखो, ये सिर्फ ऊपर उठने का साधन नहीं है, न शक्ति की नुमाइश है, अग्नि एक लौ है जो हर हिन्दुस्तानी के दिलों में जल रही है। इसे मिसाइल मत समझो! यह कौम के माथे पर चमकता हुआ आग का सुनहरा तिलक है।' डॉ. कलाम ने एक के बाद एक कई सशक्त सुरक्षा के हथियारों, मिसाइल से लेकर परमाणु परीक्षण तक में, भारत को दुनिया के परमाणु सम्पन्न देशों की श्रेणी में लाने का सफल प्रयास किया। लेकिन उनके स्वाभाव की सौम्यता इन हथियारों को आधुनिक तकनीक के साथ विकास से जोडकर देखती है। भारत हमेशा से शान्तिप्रिय देश है, दुनिया को यह बेहतर तरीके से समझाने का काम किया कलाम साहब ने।

डॉ.कलाम ने अपनी बेशकीमती धरोहर के रूप में देश को कई पुस्तकें समर्पित की- इंडिया 2020 ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम, माई जर्नी तथा इग्नाटिड माइंड्स-अनलीशिंग द पॉवर विदिन इंडिया, विंग्स ऑफ फायर, एनविजनिंग अन एमपावर्ड नेशन : टेक्नालॉजी फार सोसाइटल ट्रांसफारमेशन आदि। डॉ. कलाम ने सितंबर 1985 में त्रिशूल, फरवरी 1988 में पृथ्वी, मई 1989 में रूस के साथ मिलकर सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. कलाम के इस जज्बे को सलाम करते हुए देश उन्हें मिसाइल मैन के नाम से संबोधित करता है। डॉ. कलाम को 1981 में भारत सरकार ने पद्म भूषण, 1990 में पदम् विभूषण और 1997 में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। डॉ. कलाम का कहना था कि 'मेरे ख्याल से मेरे वतन के नौजवानों को एक साफ नज़रिए और दिशा की जरूरत है। वो भारत को वैश्विक परिदृश्य में विकसित देशों की श्रेणी में देखना चाहते थे। वो कहते थे 'काश! हर हिंदुस्तानी के दिल में जलती हुई लौ को पंख लग जाए और उस लौ की परवाज़ से सारा आसमान रौशन हो जाए।' कलाम साहब की बेमिसाल शख़्सियत भारत के हर नौजवान की वास्तविक धरोहर है, जिसे वो सदियों सहेज के रखने का प्रयास करेगा।

'हजारों साल नर्गिस अपनी बे -नूरी पे रोती है
बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदा-वर पैदा'।

मशहूर शायर अल्लामा इकबाल साहब ने ये शेर भले ही किसी खास शख्सियत के लिए लिखा हो लेकिन यदि यह कहें कि मौजूदा दौर में भारत रत्न डॉ. ऐ पी जे कलाम साहब पर सही साबित होता है तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

(चिंतन-मनन)

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वत- समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।

भारतीय वित्त मंत्री सीतारमण ने ऑस्ट्रेलिया और मिस्र के अपने समकक्षों से की बातचीत

वॉशिंगटन । भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऑस्ट्रेलिया और मिस्र के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन बैठकों में भारत को उसके जी20 के एजेंडा के लिए समर्थन भी प्राप्त हुआ। वित्त मंत्रालय ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के वित्त मंत्री जे ई चालमर्स और सीतारमण की मुलाकात के दौरान भारत की जी20 की आगामी अध्यक्षता को लेकर संभावित मुद्दों पर चर्चा हुई। सीतारमण की मिस्र की मंत्री रानिया अल मसहत के साथ मुलाकात में दोनों देशों के बीच नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर विचारों का आदान प्रदान हुआ। सीतारमण ने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के प्रशासक ए स्टीनर से भी सतत वित्तीय स्थिति पर बात की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टिकाऊ पारिस्थितिकी को लेकर विचारों को रेखांकित किया। मंत्रालय ने ट्वीट करके बताया कि 'ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी)' के महासचिव माथिआस कोरमान के साथ वित्त मंत्री की बैठक में भारत-ओईसीडी द्विपक्षीय सरोकार और 2023 में भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान संगठन के सहयोग के बारे में बात हुई।

विदेशी मुद्रा में कर्ज नहीं ले रही हैं भारतीय कंपनियां

मुंबई । भारतीय कंपनियों द्वारा विदेशी मुद्रा में लिए जाने वाला कर्ज लगभग बंद कर दिया गया है। जुलाई से सितंबर माह की तिमाही में कंपनियों ने विदेशी मुद्रा में पिछले वर्ष की तुलना में 93.3 फ़ीसदी कम कर्ज उठाया है। जिस तरह से डालर मुद्रा का अवमूल्यन हो रहा है। उसके बाद से ही विदेशी मुद्रा मे कर्ज लेना भारतीय उद्योगपतियों और कंपनियों ने बंद कर दिया है। डॉलर के मुकाबले रुपए का मूल्य निरंतर गिरता जा रहा है। जिसके कारण अब विदेशी कर्ज लेना व्यापार से ज्यादा जोखिम मुद्रा के अवमूल्यन से हो गया है। यदि यही स्थिति रही तो आगे चलकर भारतीय कंपनियों को कर्ज और पूंजी नहीं मिलने की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

ब्रिटेन के मंत्री बोले- भारत के बीच एफटीए के लिए दीवाली की समय सीमा को ध्यान में रखकर नहीं कर रहे बात

लंदन । भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत को लेकर ब्रिटेन की व्यापार मंत्री केमी बादेनोच ने कहा है कि जो बातचीत हो रही है वह अब दीपावली की समय सीमा को ध्यान में रखते हुए नहीं की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार विभाग में एफटीए वार्ता की प्रभारी कैबिनेट मंत्री केमी बादेनोच ने गुरुवार को कहा कि भारत के साथ जिस समझौते पर बातचीत चल रही है वह उद्योग जगत के लिए बहुत लाभकारी रहने वाला है क्योंकि इसमें 150 फीसदी तक शुल्क खत्म कर दिए जाएंगे। बादेनोच ने कहा कि वार्ता में काफी अच्छी प्रगति हो रही है लेकिन मसौदा समझौते पर 24 अक्टूबर तक हस्ताक्षर करने का लक्ष्य लेकर नहीं चल रहे है। उन्होंने कहा, 'हम काफी करीब हैं। समझौते पर अभी भी काम चल रहा है। इसमें एक परिवर्तन है और वह यह कि अब हम दीपावली की समयसीमा को ध्यान में नहीं रख रहे। हम समझौते की गति के बजाए इसकी गुणवत्ता पर ध्यान दे रहे हैं।' समझौते को पूरा करने के लिए दीपावली की समयसीमा अब नहीं है इस बारे में आधिकारिक पुष्टि पहली बार हुई है। यह समयसीमा पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अप्रैल में भारत दौरे के वक्त घोषित की थी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई।

मुम्बई शेयर बाजार शक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ है। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में यह तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छें संकेतों के साथ ही इन्फोसिस और बैंक शेयरों में भारी खरीददारी से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 684.64 अंक करीब 1.20 फीसदी बढ़कर 57,919.97 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार प्रचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 171.35 अंक तकरीबन 1.01 फीसदी बढ़कर 17,185.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस के शेयर सबसे ज्यादा करीब चार फीसदी बढ़े हैं। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लिमिटेड, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, लार्सन एंड टुब्रो, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में भी तेजी रही जबकि दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, विप्रो, भारती एयरटेल और पावरग्रिड के शेयर गिरे हैं। इन्फोसिस का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 11 फीसदी बढ़कर 6,021 करोड़ रुपये पहुंच गया है। इस दौरान कंपनी ने 9,300 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की पुनर्खरीद की भी घोषणा की है। वहीं अन्य एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे जबकि यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी रही। अमेरिकी शेयर बाजार भी बढ़ा है। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.81 फीसदी की गिरावट के साथ ही 93.80 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

क्रिप्टो करेंसी बाजार पर है हैकरों का कब्जा करोड़ों की लूट

नई दिल्ली । क्रिप्टो मार्केट पूरी तरह से तहस-नहस हो गया है। क्रिप्टो मार्केट में 70 फ़ीसदी की गिरावट आई है। इसके बाद भी हैकर्स के निशाने पर है। क्रिप्टो मार्केट से करोड़ों रुपए हैकर्स गायब कर चुके हैं। चैन एनालिसिस के अनुसार अक्टूबर माह में ही हैकरों ने 718 मिलियन डालर जो भारतीय मुद्रा में लगभग 6000 करोड रुपए होते हैं। हैकर्स मार्केट से निकाल चुके हैं। 2022 में अभी तक हैकरों ने 3 अरब डालर से ज्यादा क्रिप्टो करेंसी की चोरी किप्टों मार्केट से की है। जो अभी तक की गड़बड़ी का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। पिछले 1 सप्ताह में कॉइन हैकरो ने 4700 करोड़ क्रिप्टो मार्केट से उड़ा दिए। अभी भी 900 करोड़ रुपयों की रिकवरी नहीं हो पाई है।

आज खुलेगा इस कंपनी का आईपीओ

मुंबई ।

अगर इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट इंडिया के आईपीओ पर दांव नहीं लगा सके हैं, तब सोमवार को निवेश के लिए तैयार रहें। इस दिन एक और बड़ी कंपनी का आईपीओ आ रहा है। इसकारण अगर शेयर मार्केट में निवेश के लिए प्लान कर रहे हैं, तब पैसे तैयार रखें। मार्केट इंटेलिजेंस डेटा एनालिटिक्स प्रोवाइड कराने वाली ट्रेक्सन टेक्नालाजी का आईपीओ 10 अक्टूबर को खुल रहा है। कंपनी के आईपीओ से 09.38 करोड़ रुपये जुटाने की योजना हैं। पिछले दिनों आए इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट इंडिया के आईपीओ को शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। ट्रेक्सन टेक का आईपीओ 10 से 12 अक्टूबर 2022 तक बोली लगाने के लिए खुला रहेगा। कंपनी ने पब्लिक ऑफर प्राइस बैंड 75 से 80 रुयये प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। ट्रेक्सन टेक के एक लॉट में 185 शेयर शामिल हैं। आईपीओ एक बिल्ड इश्यू है और ये पूरी तरह से ओएफएस नेचर का है। कंपनी के प्रमोटरों में को-फाउंडर नेहा सिंह और अभिषेक गोयल 76.6 लाख शेयर की बिक्री करने वाले हैं। वहीं, फ्लिपकार्ट के संस्थापक बिन्नी बंसल और सचिन बंसल 12.63 लाख शेयर बेचने वाले हैं। ट्रेक्सन प्राइवेट मार्केट में प्रमुख डेटा सर्विस प्रोवाइड कराने वाली कंपनी के रूप में उभरी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस आईपीओ में योग्य संस्थागत निवेशकों (क्यूआईआई) के लिए 75 फीसदी कोटा रिजर्व होगा, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों का कोटा 15 फीसदी का कोटा रिजर्व होगा। रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 10 फीसदी की हिस्सेदारी रिजर्व होगी। ट्रेक्सन टेक्नालाजी के शेयरों का अलॉटमेंट 17 अक्टूबर को हो सकता है। वहीं, 20 अक्टूबर को कंपनी की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई पर होगी है। लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को पब्लिक इश्यू का आधिकारिक रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। ट्रेक्सन टेक्नालाजी की शुरुआत साल 2012 में की गई थी। इसके फाउंडर नेहा सिंह और अभिषेक गोयल हैं।

देश में लगातार घट रहा गेहूं-चावल का स्टॉक, डरा रहे एफसीआई के आंकड़े

नई दिल्ली ।

खाद्यन्न को लेकर एक बुरी खबर आ रही है जहां एक ओर बेमौसम की बारिश ने किसानों का सुख चैन छीन लिया है। दूसरी तरफ गेहूं-चावल के स्टॉक डरा रहे हैं। दरअसल, अपने यहां सरकारी एजेंसियों के पास गेहूं और चावल का स्टॉक लगातार घट रहा है। बीते एक अक्टूबर को यह गिर कर पांच साल के निचले स्तर पर आ गया है। गेहूं का स्टॉक तो बफर स्टॉक के न्यूनतम स्तर से थोड़ा ही ज्यादा है। इससे उलट महंगाई के तो आंकड़े कुछ ज्यादा ही डरा रहे हैं। बीते सितंबर में खुदरा महंगाई की दर 7.41 फीसदी तक चढ़ गई है जो कि पांच महीने का उच्चतम स्तर है।

एक अंग्रेजी दैनिक अखबार में भारतीय खाद्य निगम के आंकड़ों का हवाला देते हुए एक खबर छपी है। इसमें बताया गया है कि एफसीआई जैसी एजेंसियों के पास गेहूं और चावल का स्टॉक तेजी से घट रहा है। बीते एक अक्टूबर को सरकारी स्वामित्व वाले गोदामों में गेहूं और चावल का स्टॉक 511.36 लाख टन रह गया था। इससे पहले अक्टूबर 2017 में स्टॉक घट कर 433.36 लाख टन पर आया था। एक साल पहले ही अपने यहां गेहूं और चावल का स्टॉक 816 लाख टन का था।

बीते साल गेहूं का स्टॉक तेजी से घटा है। एक साल पहले एक अक्टूबर को इन एजेंसियों के पास गेहूं का स्टॉक 468.52 लाख टन का था। वह बीते एक अक्टूबर को 227.46 लाख टन तक घट गया। यह बीते छह साल का निचला स्तर है। इसी तारीख को गेहूं का न्यूनतम बफर स्टॉक 205.2 लाख टन होना चाहिए। मतलब कि इस समय देश में गेहूं का स्टॉक बफर स्टॉक के लेवल से कुछ ही ज्यादा है। यूं तो बेमौसम की बारिश से धान की फसल भी खराब हुई है। लेकिन इसमें फिलहाल चिंता की बात नहीं है। बीते एक अक्टूबर को सरकारी एजेंसियों के पास चावल का स्टॉक 283.9 लाख टन था। सरकार के नियमों के मुताबिक इस तारीख को जरूरी बफर स्टॉक 102.5 लाख टन होना चाहिए। मतलब कि अभी देश में चावल का भंडार न्यूनतम बफर का 2.8 गुना है।

बीते सितंबर में अनाज के लिए खुदरा महंगाई की दर 11.53 फीसदी बढ़ी। यह इस श्रेणी में अब तक की सबसे ज्यादा की बढ़ोतरी है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने घरेलू बाजार में इन चीजों की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए इस साल कई खाद्यान्नों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। बीते मई ही भारत ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, क्योंकि बीते साल गेहूं की उपज में कमी की खबर आई थी। इससे पहले ही घरेलू बाजार में इसकी कीमतें रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थीं। गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध के कारण गेहूं के आटे का निर्यात बढ़ा। इसके निर्यात में एक साल पहले अप्रैल और जुलाई के बीच 200 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी।

बीते अगस्त में केंद्र सरकार ने गेहूं का आटा, मैदा, सूजी आदि के निर्यात को प्रतिबंध लगा दिया। इसका एक ही उद्देश्य था कि घरेलू बाजार में इन चीजों की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाया जा सके। इसके बाद सरकार ने सितंबर में टूटे चावलों के निर्यात पर भी प्रतिबंध लगा दिया। इसके साथ ही विभिन्न किस्मों के चावल के निर्यात पर भी 20 फीसदी की ड्यूटी लगा दी थी।

दिवाली में जमकर होगी खरीददारी, बाजार में लगभग ढाई लाख करोड़ रुपये आएंगे

लोगों में मेड इन इंडिया उत्पादों को लेकर क्रेज

नई दिल्ली ।

साल 2022 का दिवाली का त्यौहार व्यापारियों के लिए बड़े मौके लेकर आ रहा है। अनुमान है कि त्यौहारी खरीद व अन्य सेवाओं के द्वारा बाजार में लगभग ढाई लाख करोड़ रुपये आएंगे। कोरोना की वजह से पिछले दो साल का त्यौहारी सीजन सुस्त रहा था। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने दावा किया कि धन के इस प्रवाह से व्यापारिक समुदाय को वित्तीय संकट से मुक्ति मिलेगी। त्यौहारी खरीद नवरात्रि के साथ 26 सितंबर से शुरू हो चुकी हैं, और 5 नवंबर तुलसी विवाह के दिन तक चलेगी। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि 8 अक्टूबर को केंद्र सरकार ने डीए में 4 प्रतिशत बढ़ोतरी कर दी, जबकि 12 अक्टूबर को रेल कर्मचारियों के लिए 78 दिन के वेतन के बराबर बोनस की घोषणा भी की जा चुकी है। इससे बाजार में नकदी प्रवाह बढ़ने की उम्मीद है। कैट का कहना है कि इस साल सिर्फ दिवाली उत्सव के कारोबार में डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान है। इसके अलावा दिवाली से संबंधित यात्राओं और अन्य सेवाओं पर भी करीब एक लाख करोड़ रुपये खर्च हो सकते हैं। ऑटो डीलर्स के संगठन फाडा ने बताया है कि इस साल नवरात्रि पर कार की कुल खुदरा बिक्री में 57 प्रतिशत का बंपर इजाफा हुआ है। कैट ने दावा किया है कि इस साल की दिवाली में ज्यादातर भारतीय उत्पादों का ही बोलबाला रहने की उम्मीद है। इस कारण चीन को आर्थिक रूप से करीब 60 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होगा। कैट की शोध शाखा ने देश में विभिन्न राज्यों के 25 शहरों में सर्वे किया, जहां ग्राहकों ने ज्यादातर मेड इन इंडिया उत्पादों को खरीदने में रुचि दिखाई। इन शहरों में नई दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई, नागपुर, जयपुर, लखनऊ, चंडीगढ़, रायपुर, भुवनेश्वर, कोलकाता, रांची, गुवाहाटी, पटना, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, मदुरै, पांडिचेरी, भोपाल, जम्मू, पुणे, कानपुर, वाराणसी, रांची और भुवनेश्वर शामिल हैं।

सोने, चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में शक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 261 रुपये नीचे आकर 51,098 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। गत कारोबारी सत्र में सोना 51,359 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था जबकि चांदी में भी 692 रुपये की कमी दर्ज की गई और यह 57,477 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में यह 58,169 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बंद हुई थी। वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ ही 1,665.2 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इसी प्रकार चांदी भी 18.95 डॉलर प्रति औंस पर थी।

ज्वैलरी व्यापारियों के लिए शुभ साबित हुआ करवा चौथ, एक दिन में 3 हजार करोड़ रुपये की ज्वैलरी की बिक्री हुई

नई दिल्ली ।

त्यौहारी सीजन में सर्राफा बाजार गुलजार दिखाई दिया है। दिवाली की तैयारियों के बीच करवा चौथ का व्रत मनाया गया। इस मौके पर सोने के बाजार में जबरदस्त रौनक दिखाई दी। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) एवं ऑल इंडिया ज्वैलर्स एवं गोल्डस्मिथ फेडरेशन (एआईजेजीएफ) ने संयुक्त बयान में करवा चौथ से पहले हुई सोने की बिक्री को लेकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ज्वैलरी व्यापारियों को भी करवा चौथ के मौके पर शानदार व्यापार देखने को मिला। साथ ही उन्होंने बताया कि अगले महीने से शादियों का सीजन शुरू होने वाला है। लोगों ने अभी से ही शादियों के लिए गहने की बुकिंग शुरू कर दी है।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल एवं एआईजेजीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने बताया कि करवाचौथ के दिन देश भर में लगभग 3 हजार करोड़ रुपये के सोने और सोने की ज्वैलरी की बिक्री हुई। पिछले वर्ष ये आंकड़ा करीब 2,200 करोड़ रुपये का रहा था। अगर पिछले साल के मुकाबले इस साल के रेट की बात करें, तब सोना महंगा हुआ है। पिछले करवा चौथ के मुकाबले इस बार सोने की कीमतें 3400 रुपये प्रति 10 ग्राम अधिक हैं। हालांकि, चांदी की रेट में गिरावट है और ये 11 हजार रुपये किलो सस्ती है।

राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने का दाम करीब 52 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम है। 22 कैरेट का सोना करीब 48 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बिका। अक्टूबर और नवंबर का महीना सोने-चांदी के व्यापार के लिए शुभ माना जाता है। इस दौरान तमाम त्यौहार और फिर शादियों की सीजन की वजह से सर्राफा बाजार में रौनक बनी रहती है। त्यौहारी सीजन में सोने की कीमतों में उछाल आया है। पिछले महीने सोने की कीमतें 49 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई थीं। लेकिन त्यौहारी सीजन की शुरुआत के बाद गोल्ड की कीमतों में तेजी आई है। हालांकि, रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद फरवरी 2022 के अंत से भारत में सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है।

पेट्रोल डीजल की कीमतों में उतार-चढ़ाव बरकरार

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से पेट्रोल डीजल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव बना हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल डीजल की जो नई कमतें जारी की हैं। उसमें कुछ राज्यों में कीमत में बढ़ोतरी हुई है। वहीं देश के चारों महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया है। वहीं बिहार में पेट्रोल की कीमतें बढ़ी हैं। ये 51 पैसे बढ़कर फिर से 109.66 रुपये प्रति लीटर पहुंच गयी हैं। वहीं डीजल 48 पैसे बढ़कर 96.28 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। जंजाब में पेट्रोल की कीमतें 21 पैसे बढ़कर पेट्रोल 96.89 रुपये प्रति लीटर और डीजल 21 पैसे बढ़कर 87.24 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में पेट्रोल डीजल की कीमत में एक रुपये तक घटी हैं।

महानगरों में हालांकि दाम पहले की तरह ही बने हुए हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, जबकि कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर पर है।

विश्व बैंक ने किया आगाह, खतरनाक मंदी की ओर बढ़ रही दुनिया!

नई दिल्ली ।

वैश्विक अर्थव्यवस्था के ग्राफ को लेकर विश्व बैंक ने दुनिया को चेतावनी दी है संस्था के अध्यक्ष डेविड मालपास ने गुरुवार को कहा कि अर्थव्यवस्था खतरनाक रूप से मंदी की ओर बढ़ रही है। उन्होंने गरीबों को लक्षित समर्थन देने का भी आह्वान किया। मालपास ने अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष और विश्व बैंक की सालाना बैठक के दौरान अलग से संवाददाताओं से कहा, 'हमने 2023 के लिये आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को तीन प्रतिशत से घटाकर 1.9 प्रतिशत कर दिया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था खतरनाक रूप से मंदी की ओर बढ़ रही है। वैश्विक मंदी कुछ परिस्थितियों के अंतर्गत हो सकती है।' उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति की समस्या है, ब्याज दर बढ़ रही है और विकासशील देशों में जो पूंजी प्रवाह हो रहा था, वह बंद हो गया है। इससे गरीबों पर असर पड़ रहा है। मालपास ने कहा, 'हम विकासशील देशों में लोगों को आगे बढ़ने में मदद करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं... बेशक, सभी देश अलग हैं, हम आज कुछ देशों की चर्चा करेंगे।' उन्होंने कहा कि विकासशील देशों में कर्ज बढ़ने का कारण उच्च ब्याज दर है। एक तरफ कर्ज बढ़ रहा है और दूसरी तरफ उनकी मुद्राएं कमजोर हो रही हैं। मालपास ने कहा, 'मुद्रा के मूल्य में गिरावट कर्ज का बोझ बढ़ा रही है। विकासशील देशों के समक्ष कर्ज संकट की समस्या है....' उन्होंने बहुपक्षीय संस्थान की ओर से गरीबों को लक्षित समर्थन देने का भी आह्वान किया।

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे ओलिवर गोरिंचेस ने कहा कि भारत ऐसे वक्त में एक चमकदार रोशनी की तरह उभरा है जब दुनिया मंदी के आसन्न संकट का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि 10,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पाने के लिए भारत को महत्वपूर्ण ढांचागत सुधार करने होंगें। गोरिंचेस ने कहा, भारत सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। जब यह 6.8 या 6.1 की ठोस दर के साथ बढ़ रही है तो यह उल्लेखनीय बात है।

रोटी पर 5 प्रतिशत तो परांठे पर देना होगा 18 फीसदी जीएसटी?

नई दिल्ली ।

वस्तु सेवा कर यानि जीएसटी को लागू हुए पांच साल से अधिक का वक्त बीत चुका है, लेकिन इससे जुड़े कई विवाद अब भी फाइनल डिसीजन का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे ही एक विवाद में करीब 20 महीने बाद अंतिम निर्णय आया, जिसमें रोटी पर 5 फीसदी तो पराठे पर 18 फीसदी जीएसटी लगाने का फैसला किया गया है। दरअसल, गुजरात अपीलेट अथॉरिटी फॉर एडवांस रूलिंग ने वाडीलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एक विवाद पर 20 महीने बाद यह फैसला सुनाया है। प्राधिकरण ने कहा, फोजेन पराठे और रोटी में इस्तेमाल होने वाले उत्पादों में काफी अंतर है, लिहाजा इस पर जीएसटी की दरें अलग-अलग होनी चाहिए।

इससे पहले वाडीलाल इंडस्ट्रीज ने भी इसी दावे के साथ पराठे पर 18 फीसदी जीएसटी लगाने की मांग की थी। महाराष्ट्र की अथॉरिटी ऑफ एडवांस रूलिंग ने भी साल 2018 में एक फैसले में कहा था कि देश में रोटी या चपाती को अलग-अलग नाम से जाना जाता है, लेकिन इसका नाम बदल जाने भर से इस पर जीएसटी अलग-अलग दरें नहीं लगा सकते।

विवाद के दौरान कारोबारियों ने दलील दी थी कि रोटी और पराठे में इस्तेमाल होने वाला मुख्य उत्पाद आटा ही है, लेकिन 20 महीने की लंबी लड़ाई के बाद फैसला उत्पादक कंपनी वाडीलाल के पक्ष में गया। गुजरात अपीलेट अथॉरिटी फॉर एडवांस रूलिंग ने अपने फैसले में कहा, रोटी और फ्रोजेन पराठे में स्पष्ट अंतर है। यह फैसला गुजरात अथॉरिटी फॉर एडवांस रूलिंग के फैसले को ही बरकरार रखता है, जिसमें जून 2021 में कहा गया था कि पैकेज्ड पराठे को पकाने में 3-4 मिनट का समय लगता है, जब तक कि यह दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन नहीं हो जाता। इसके अलावा पराठे में आटे की मात्रा 36 से 62 फीसदी के बीच रहती है, जो रोटी से एकदम अलग है।

अहमदाबाद की कंपी वाडीलाल इंडस्ट्रीज ने एएआर में अपील कर कहा था कि वह आठ तरह के पराठों की सप्लाई करती है, जिसमें मालाबार, मिक्स्ड वेजिटेबल, ओनियन, मेथी, आलू, लच्छा, मूली और प्लेन पराठा शामिल है। लिहाजा इसे प्लेन चपाती या रोटी की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता और इस पर जीएसटी की दर भी अलग होनी चाहिए। कंपनी और कारोबारियों के बीच चले इस विवाद का अब अंत हो गया है। दरअसल, रोटी और पैकेज्ड पराठे का विवाद सिर्फ अकेला नहीं है जो जीएसटी को लेकर भ्रम पैदा करता है।

टी20 विश्वकप के पहले वार्नर हुए चोटिल , पहले मैच में शायद ही खेल पायें

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया को रविवार से शुरु होने वाले टी20 विश्वकप से पहले ही करारा झटका लगा है। उसके सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर चोटिल हो गये हैं। ऐसे में उनका शुरुआती मैच में खेलना संदिग्ध नजर आ रहा है। वार्नर को गर्दन में जकड़न के कारण इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 मुकाबले से भी हटना पड़ा था। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम की टी20 विश्व कप की तैयारियों में भी बाधा आई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 22 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ अभियान शुरू करने से पहले अगले सप्ताह मंगलवार को ब्रिसबेन में अभ्यास मैच में भारत से खेलेगी। वार्नर ने कहा, ''मेरी गर्दन आज सुबह से जकड़ी हुई है। मैं गत दिवस तेजी से गिर गया था। मैं पहले गर्दन के बल इतनी जोर से कभी नहीं गिरा। इससे गर्दन में वास्तव में जकड़न है। '' तीसरे और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में स्टीव स्मिथ को उनकी जगह शामिल किया गया था। वार्नर दो अर्धशतक जड़कर शानदार फॉर्म में हैं, इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में भी वह चोटिल होन से बच गये थे। तब वार्नर मोईन अली का कैच लेने का प्रयास करते हुए अजीब तरीके से गिर गये थे।

महिला एशिया कप फाइनल

भारत की नजर 7वां खिताब पर

सिलहट (बांग्लादेश)

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपना सातवां एशिया कप खिताब रिकॉर्ड करने की कोशिश करेगी, जबकि श्रीलंका शनिवार को अपने पहले कप पर नजर रखेगी, जब दोनों टीमें बांग्लादेश के सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। भारत अब तक छह खिताबों के साथ एशिया कप के आठवें फाइनल में जगह बना चुका है। बांग्लादेश ने इसे एक बार जीता है और किसी अन्य टीम ने इसे कभी नहीं जीता है। 2004 में शुरू हुए एशिया कप में भारत का दबदबा रहा है। भारत के साथ खिताबी भिड़ंत तय करने के लिए श्रीलंका ने गुरुवार को पाकिस्तान को एक रन से हरा दिया। भारतीय टीम ने थाईलैंड को 74 रनों के बड़े अंतर से हराया, जहां शैफाली वर्मा ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को 148 रनों के कुल स्कोर तक पहुँचाया। श्रीलंका के सामने एक लंबा काम है, जिसमें टीम अपना पहला एशिया कप फाइनल खेल रही है। टीम ने एशिया कप के लीग चरण में छह मैच खेले, जिनमें से चार में जीत हासिल की। भारत और पाकिस्तान ने अपने लीग चरण के दौरान श्रीलंकाई टीम को शिकस्त दी। भारत एशिया कप लीग चरणों की तालिका में शीर्ष पर है क्योंकि उसने अपनी पूरी लीग यात्रा के दौरान सिर्फ एक गेम गंवाया है। टीम अपने चौथे लीग मैच में पाकिस्तान के बाद दूसरे स्थान पर रही। भारत अपने बल्लेबाजी विभाग में जेमिमा रोड्रिग्स (215 रन के साथ एशिया कप के प्रमुख रन-स्कोरर) और शैफाली वर्मा को देखेगा क्योंकि बल्लेबाज टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में हैं और प्रत्येक ने 200 से अधिक रन बनाए हैं। टीम भारत को सातवें एशिया कप को सील करने में मदद करने के लिए दीप्ति शर्मा के

हरफनमौला कौशल पर भी भरोसा करेगी। दीप्ति ने बल्ले से उपयोगी योगदान देते हुए टूर्नामेंट में 13 विकेट लिए हैं। श्रीलंका टीम के लिए महत्वपूर्ण रन बनाने के लिए हर्षित समरविक्रमा को देखेगा, जबकि गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी इनोका रणवीरा पर होगी जो पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच थीं।

अगर पिछले पांच मैचों के आमने-सामने के रिकॉर्ड कोई संकेत हैं तो भारत स्पष्ट रूप से पसंदीदा है। श्रीलंका को भारत के खिलाफ पिछले पांच मैचों में से चार में हार का सामना करना पड़ा है, केवल एक में जीत मिली है.

सबालेंका ने स्टीफंस को दी मात; कीज, बडोसा सैन डिएगो में आगे बढ़ीं

सैन डिएगो।

बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने गुरुवार को यहां सैन डिएगो ओपन में अमेरिकी स्लोएन स्टीफंस को 1-6, 6-3, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इसके अलावा गुरुवार को मैडिसन कीज ने नंबर 8 सीड डारिया कसाटकिना को 6-4, 6-3 से हराकर सैन डिएगो क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया और अपने करियर की 250वीं टूर-लेवल जीत दर्ज की, जबकि नंबर 2 सीड पाउला बडोसा ने क्वार्टर फाइनल का टिकट पक्का किया। बडोसा को विश्व नंबर 196 चिरिको को हराने के लिए केवल 53 मिनट का समय लगा। सबालेंका ने क्वार्टर फाइनल में पूर्व शीर्ष 20 खिलाड़ी डोना वेकिच से भिड़ने से पहले स्टीफंस को छठी बार हराया। इस सप्ताह मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई करने वाली वेकिच ने अपने पांच में से चार मुकाबलों में सबालेंका को हराया है। कीज ने 1 घंटे और 27 मिनट में जीत हासिल करने से पहले शुरूआती सेट में 4-0 से पिछड़ने के बाद वापसी की। फाइनल की दौड़ में कसाटकिना छठे नंबर पर है, लेकिन उसके भाग्य का फैसला होने से पहले उन्हें थोड़ा और इंतजार करना होगा। कीज ने कहा, 'मुझे पता था कि आज का दिन वास्तव में मुश्किल होगा, जाहिर तौर पर उनका अब तक का सीजन बहुत अच्छा रहा है और उन्होंने कुछ बहुत अच्छा टेनिस खेला है। मैं वास्तव में खुश हूं कि मैं उस पहले सेट में वापस आने में सक्षम थीं।' क्वार्टर फाइनल में कीज का सामना अपनी साथी अमेरिकी जेसिका पेगुला से होगा। कीज और नंबर 4 सीड पेगुला के बीच दौरे पर यह पहला मुकाबला होगा। एक अन्य मैच नंबर 2 सीड में पाउला बडोसा ने क्वालीफायर लुइसा चिरिको को 6-0, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। बडोसा को विश्व नंबर 196 चिरिको को हराने के लिए केवल 53 मिनट का समय लगा।

स्वियातेक संघर्षपूर्ण जीत के साथ दूसरे दौर में

सैन डिएगो: विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में जीत दर्ज करके डब्ल्यूटीए 500 सैन डिएगो ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। पोलैंड की स्वियातेक को चीन की झेंग किनवेन पर 6-4, 4-6, 6-1 से जीत दर्ज करने के लिए दो घंटे से अधिक समय कोर्ट पर बिताना पड़ा। यह 21 वर्षीय खिलाड़ी इस साल चार अप्रैल से विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर काबिज है और यह उनकी 2022 में डब्ल्यूटीए टूर में 61 वीं जीत है। एक अन्य मैच में छठी वरीयता प्राप्त कोको गौफ ने कनाडा की गैर वरीयता प्राप्त बियांका आंद्रिस्कु को 6-4, 4-6, 6-3 से पराजित किया। इस प्रतियोगिता में विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल सात खिलाड़ी भाग ले रही हैं।

अधिक जीत दर्ज करने के लिए योजनाओं को लागू करना महत्वपूर्ण : नेहा गोयल

नई दिल्ली।

भारत की महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर नेहा गोयल 11 से 17 दिसंबर तक स्पेन के वालेंसिया में होने वाले एफआईएच नेशंस कप 2022 में कुछ बड़ी टीमों के खिलाफ कड़े मैचों की उम्मीद कर रही हैं, क्योंकि उनके खिलाफ मैच का समय हमेशा ही टीम को भारी सुधार की ओर ले जाएगा। भारत को नेशंस कप 2022 में कनाडा, जापान और दक्षिण अफ्रीका के साथ पूल बी में रखा गया है, जबकि पूल ए में आयरलैंड, इटली, कोरिया और मेजबान स्पेन शामिल हैं। नेहा ने शुक्रवार को कहा, महिला नेशंस कप 2022 हमें कुछ अच्छी टीमों के साथ खेलते देखा जाएगा और यह हमें खेल का समय प्रदान करेगा, जिसके लिए कोई विकल्प नहीं है। हम हाल के वर्षों में लगातार बड़ी टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और स्पेन में, हम ऐसा करने का लक्ष्य रखेंगे। भारत के लिए अब तक 115 मैचों में सीनियर टीम की ओर से खेली नेहा ने कहा, हम किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते। हर टीम अपने तरीके से बहुत खतरनाक होती है और हमें अपनी सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलनी होगी ताकि टीम अंतिम दौर में पहुंचे। प्रत्येक मैच एक नया दिन है और पिछले परिणामों का वर्तमान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। रैंकिंग राउंड शुरू होने से पहले टीम एक-एक बार कनाडा, जापान और दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। भारत कनाडा

के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगा और फिर दक्षिण अफ्रीका के आने से पहले जापान से खेलेगा। उन्होंने कहा, ये अंतरराष्ट्रीय मैच और एक्सपोजर हमें कठिन परिस्थितियों का सामना करने में मदद करेंगे और हम इससे उबरना और बढ़ना सीखेंगे। यह केवल टीम को और भी करीब-करीब इकाई बनने में मदद करेगा और यह निस्संदेह भविष्य में हमारी मदद करेगा। नेहा ने 2014 में भारतीय टीम के लिए डेब्यू किया और 17 बार गोल किया। हालांकि, उन्होंने अभी तक कोई व्यक्तिगत लक्ष्य नहीं रखा है।

संक्षिप्त समाचार

टी20 विश्व कप : मेगा टूर्नामेंट से पहले डेविड वार्नर चोटिल, ऑस्ट्रेलिया परेशान

कैनबरा। स्टार सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के गर्दन में जकड़न के कारण इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार को तीसरे और अंतिम टी20 मुकाबले से हटने से गत चैम्पियन आस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप की तैयारियों को बड़ा झटका लगा। आस्ट्रेलियाई टीम 22 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ अभियान शुरू करने से पहले अगले हफ्ते मंगलवार को ब्रिसबेन में अभ्यास मैच में भारत से भिड़ेगी। वार्नर पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में टीम के टी20 विश्व कप विजयी अभियान में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' रहे थे। उन्होंने 'फॉक्स क्रिकेट' से कहा, ''मेरी गर्दन आज सुबह से जकड़ी हुई है। मैं पिछले दिन काफी तेजी से गिर गया था। मैं पहले गर्दन के बल इतनी जोर से कभी नहीं गिरा। गर्दन में वास्तव में जकड़न है। '' तीसरे और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में स्टीव स्मिथ को उनकी जगह शामिल किया गया । वार्नर दो अर्धशतक जड़कर शानदार फॉर्म में हैं, इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में भी वह 'कनकशन' (सिर में चोट लगने) से बच गये थे। वार्नर 'प्वाइंट बाउंड्री' पर मोईन अली का कैच लेने का प्रयास करते हुए अजीब तरीके से गिर गये थे जिससे उनकी जगह स्मिथ को शामिल किया गया। पर 'कनकशन' जांच पास करने के बाद उन्होंने कप्तान आरोन फिंच के साथ पारी का आगाज किया। लेकिन पांचवें ओवर में वह चार रन के स्कोर पर आउट हो गये। इंग्लैंड ने मैच चार रन से जीतकर श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली थी।

शमी को टी20 विश्व कप के लिए बुमराह की जगह भारतीय टीम में चुना गया

नई दिल्ली।

बीसीसीआई ने शुक्रवार को अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए चोटिल जसप्रीत बुमराह की जगह भारतीय टीम में शामिल किया है। अखिल भारतीय वरिष्ठ चयन समिति ने मोहम्मद शमी को भारत के आईसीसी पुरुष टी 20 विश्व कप टीम में जसप्रीत बुमराह के प्रतिस्थापन के रूप में नामित किया है। शमी ऑस्ट्रेलिया पहुंच गए हैं और अभ्यास मैचों से पहले ब्रिस्बेन में टीम के साथ जुड़ेंगे, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एक प्रेस विज्ञप्ति में उद्धृत किया था। पिछले महीने पीटीआई ने बताया था कि शमी बुमराह की जगह मुख्य टीम में शामिल होंगे। मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर को बैकअप के रूप में नामित किया गया है और वे शीघ्र ही ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करेंगे। यह टूर्नामेंट 16 अक्टूबर से 13 नवंबर तक चलेगा। बुमराह अपनी पीठ पर तनाव संबंधी चोट के कारण अनिश्चित काल के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हो गए हैं। शमी ने आखिरी बार संयुक्त अरब अमीरात में ICC T20 विश्व कप के आखिरी संस्करण के दौरान T20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले थे। उन्हें ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घर में छह T20I में खेलना था, लेकिन CIVID-19 के लिए सकारात्मक परीक्षण किया और उन्हें अलगाव में रहना पड़ा। वापसी पर, एनसीए द्वारा ऑस्ट्रेलिया की अपनी यात्रा को मंजूरी देने से पहले उन्हें अपनी फिटनेस साबित करनी थी।

टी20 विश्व कप : पहले दौर में प्रमुख दावेदार के रूप में उतरेंगे वेस्टइंडीज और श्रीलंका

ब्रिस्बेन ।

वेस्टइंडीज एकमात्र ऐसी टीम है जिसने टी20 विश्व कप दो बार जीता है जबकि 2014 की चैंपियन श्रीलंका चैंपियनशिप में तीन बार फाइनल में पहुंचने वाली एकमात्र टीम है। ऐसी उपलब्धियों के बावजूद इन दोनों टीमों को ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्वकप के पहले दौर में खेलना होगा। इसमें जीत दर्ज करने पर ही वे मुख्य दौर के लिए क्वालीफाई कर पाएंगी। श्रीलंका एशिया कप जीतकर बढ़े मनोबल के साथ इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा। उसे ग्रुप ए में रखा गया है जहां उसका पहला मैच रविवार को गीलांग में नामीबिया से होगा। निकोलस पूरन की अगुवाई वाली वेस्टइंडीज की टीम को ग्रुप बी में रखा गया है और वह सोमवार को अपना पहला मैच होबार्ट में स्कॉटलैंड से खेलेगा। वेस्टइंडीज और श्रीलंका का अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहने की संभावना है। पहले दौर में प्रत्येक ग्रुप की पहली दो टीम सुपर 12 में जगह बनाएंगी। रैंकिंग में चोटी की आठ टीमों को सुपर 12 में सीधे प्रवेश मिला है। पहले दौर में कुल आठ टीमें भाग लेंगी। दासुन शनाका की अगुवाई वाली श्रीलंकाई टीम में स्पिन ऑल राउंडर वानिंदु हसरंगा हैं जिनके सामने ग्रुप ए ही टीमों नीदरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और नामीबिया के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा होगी। ग्रुप बी में मुकाबला थोड़ा कड़ा हो सकता है क्योंकि उसमें वेस्टइंडीज के साथ आयरलैंड,

जिम्बाब्वे और स्कॉटलैंड जैसी टीमें हैं। वेस्टइंडीज ने 10 साल पहले अपना पहला टी20 विश्व कप जीता था लेकिन पिछले साल वह ग्रुप चरण से ही बाहर हो गया था। पूरन की अगुवाई में टीम इस बार उस निराशा को पीछे छोड़ कर नए सिरे से आगाज करना चाहेगी।

'एल्बन साइक्लिंग ट्रैक वर्ल्ड सी' शिप के पुरुषों के केरिन सेमीफाइनल में पहुंचा

पेरिस। फ्रांस के सेंट क्वेंटिन में चल रही 2022 साइक्लिंग ट्रैक वर्ल्ड चैंपियनशिप में गुरुवार को एक शीर्ष भारतीय साइकिल चालक एसो अल्बान ने पुरुषों के केरिन सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। इससे पहले क्वार्टर फाइनल के हीट 2 में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद उन्होंने यह कारनामा किया। 21 वर्षीय ने ट्रैक वर्ल्ड चैंपियनशिप में किसी भी इवेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। पहले दौर में अपनी गर्मी में पांचवें स्थान पर रहने के बाद, एल्बन को जल्दी बाहर निकलने का सामना करना पड़ा, लेकिन पहले दौर के रीमैच में काफी सुधार हुआ और दूसरे स्थान के परिणाम ने भारतीय को क्वार्टर फाइनल में आगे बढ़ने की अनुमति दी। पूर्व जूनियर विश्व नंबर एक सेमीफाइनल में प्रतिस्पर्धा करेगी। फ्रांस के मेल्विन लैंडर्न्यु, जापान के कोहेई तेरासाकी, कजाकिस्तान के सर्गेई पोनोमारियोव, मलेशिया के फिरदौस सहरोम और नीदरलैंड के हैरी लावरेसेन के साथ, वह सेमीफाइनल के हीट 1 में तैयार हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण ने शुक्रवार को अपने ट्विटर हैंडल पर ट्वीट किया, 'ट्रैक साइकिलिस्ट @esowalban ट्रैक साइक्लिंग विश्व चैंपियनशिप के किसी भी आयोजन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रचता है। वह अपनी SF दौड़ के दौरान 0.005 सेकेंड के अंतिम 6 स्थानों से चूकने के बाद 12वें स्थान पर रहा! वेल डन एसो और भविष्य के लिए शुभकामनाएं!'

मिल रही धमकियां, परिवार मुसीबत में, अब क्रिकेटर हुआ इंग्लैंड छोड़ने को तैयार

लंदन ⁼ यॉर्कशर काउंटी टीम के खिलाफ नस्लीय व्यवहार का आरोप लगाने वाले अजीम रफीक अपने परिवार को बुरे बर्ताव और धमकी से बचाने के लिए इंग्लैंड छोड़ने की तैयारी कर रहे है। इस 31 साल के खिलाड़ी के आरोपों के बाद ब्रिटेन की संसदीय समिति की जांच की थी और बड़े सुधारवादी कदम उठाए गए थे। 'क्रिकेटर डॉट कॉम' की रिपोर्ट के मुताबिक, अपहरण के प्रयास और फिर अपने पिता के व्यावसायिक साझेदार की हत्या के बाद उनका परिवार पाकिस्तान से ब्रिटेन आ गया था। ब्रिटेन में भी उनके खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल हो रहा है और धमकियां दी जा रही हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक, ''रफीक को हाल के दिनों में ऑनलाइन और व्यक्तिगत दोनों तरह से धमकियां मिल रही है। इस महीने की शुरुआत में उनके माता-पिता के घर के बगीचे में एक व्यक्ति को शौच करते देखा गया। एक अन्य मामले में एक नकाबपोश व्यक्ति उनके घर की निगरानी करते हुए देखा गया। यह दोनों मामले सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुए है।'' रफीक के पिता की तबीयत खराब है और उन्हें हर समय ऑक्सीजन सिलेंडर की जरूरत होती है। रफीक और चार अन्य लोगों को हाल ही में इंग्लैंड क्रिकेट अनुशासन आयोग ने 2011 में सोशल मीडिया पर 'समुदाय विरोधी भाषा' के इस्तेमाल के लिए फटकार लगाई थी। रफीक ने इसमें अपनी गलती को स्वीकार करते हुए यहूदी समुदाय से माफी मांगी और कहा कि वह शर्मिंदा हैं। यॉर्कशर नस्लवाद मामले का खुलासा रफीक ने सबसे पहले सितंबर 2020 में किया था।

रेफरी को मालामाल बना सकती है माराडोना की 'हैंड ऑफ गॉड' वाली गेंद

लंदन।

विश्व कप का एक पूर्व रेफरी फुटबॉल जगत की अपनी सबसे बड़ी गलती को भुनाने जा रहा है, जिससे वह मालामाल बन सकता है। डियागो माराडोना ने 1986 के विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ जिस गेंद से मशहूर 'हैंड ऑफ गॉड' गोल किया था उसे ट्यूनीशिया के रेफरी ने नीलामी के लिए रखा है। यह रेफरी उस मैच का संचालन कर रहा था और वह माराडोना को हाथ से गोल करते हुए देखने से चूक गया था। इस 36 साल पुरानी गेंद के मालिक पूर्व रेफरी अली बिन नासिर हैं जिसकी वह अब नीलामी करने जा रहे हैं। नीलामीकर्ता ग्राहम बड ऑक्शन ने गुरुवार को कहा कि उसे उम्मीद है कि इस ऐतिहासिक गेंद की नीलामी से 27 लाख डॉलर से लेकर 33 लाख डॉलर तक मिल सकते हैं। इस गेंद की नीलामी कतर में होने वाले विश्व कप से चार दिन पहले 16 नवंबर को ब्रिटेन में की जाएगी। उस मैच से जुड़े माराडोना के अन्य सामान की भी पूर्व में नीलामी की गई थी जिससे मोटी कमाई हुई थी। माराडोना ने उस मैच में जो शर्ट पहनी थी उसकी नीलामी मई में की गई थी। वह शर्ट 93 लाख डॉलर में बिकी थी। माराडोना उस मैच में हेडर से गोल करने के लिए उछले लेकिन उन्होंने सिर के बजाय हाथ से गोल कर दिया। रेफरी बिन नासिर ने उसे गोल दे दिया। इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने उसका विरोध किया लेकिन रेफरी अपने फैसले से टस से मस नहीं हुए। माराडोना ने बाद में इसे 'हैंड ऑफ गॉड' यानि ईश्वर का हाथ नाम दिया था। तब से यह गेंद रेफरी बिन नासिर के पास सुरक्षित है।

अर्जेंटीना ने यह मैच 2-1 से जीता और बाद में विश्वकप भी अपने नाम किया। इसी टूर्नामेंट से

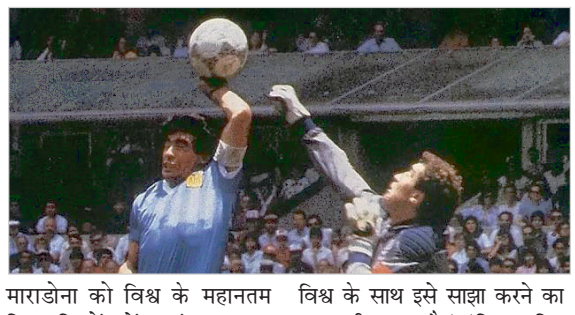

माराडोना को विश्व के महानतम खिलाड़ियों में आंका गया। माराडोना का 2020 में 60 साल की उम्र में निधन हो गया था। बिन नासिर ने बयान में कहा,'' यह गेंद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के इतिहास का हिस्सा है। मुझे लगता है कि विश्व के साथ इसे साझा करने का यह सही समय है।' 'बिन नासिर उस शर्ट की भी नीलामी करेंगे जो उन्होंने उस क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान पहनी थी। इन वस्तुओं की नीलामी से बिन नासिर का मालामाल बनना तय है।'

केन्द्र के अधिभार लगाने से बीसीसीआई को होगा करोड़ों का नुकसान

मुम्बई । केन्द्र सरकार अगर अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए आईसीसी के प्रसारण राजस्व पर 21.84 फीसदी का अधिभार लगाने के अपने फैसले पर कायम रहती है तो भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को करोड़ों रुपये का नुकसान हो सकता है। केन्द्र के अधिभार लगाने से बीसीसीआई को तकरीन 955 करोड़ रूपए का नुकसान हो सकता है। भारत में अगले साल अक्टूबर-नवंबर में एकदिवसीय विश्व कप खेल जाएगा। इसमें अगर केन्द्र सरकार अधिभार लगाती है तो यह राशि मौजूदा कर में जोड़ी जाएगी। आईसीसी के अनुसार मेजबान देश को सरकार से अंतराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के आयोजन के लिए कर में राहत लेनी होती है। वहीं भारत के कर नियमों में इस तरह की राहत का कोई प्रावधान नहीं किया गया है। गौतलब है कि साल 2016 में टी20 विश्व कप की मेजबानी के समय भी बीसीसीआई को ऐसी राहत नहीं मिली थी और तब उसे 193 करोड़ रूपए का नुकसान हुआ था। यह मामला अभी आईसीसी ट्रिब्यूनल में लंबित है। बोर्ड की 18 अक्टूबर को होने वाली आम बैठक से पहले प्रदेश ईकाइयों को भेजी गई इस रिपोर्ट में कहा गया, 'आईसीसी का अगला बड़ा टूर्नामेंट आईसीसी विश्व कप 2023 में अक्टूबर नवंबर में भारत में होना है। बीसीसीआई को अप्रैल 2022 तक आईसीसी को कर राहत के बारे में बताना था।' इसमें कहा गया, 'आईसीसी ने समय सीमा बढाकर 31 मई कर दी थी। बीसीसीआई ने इस वित्तीय वर्ष की शुरूआत में आईसीसी को बताया था कि 10 फीसदी कर (अधिभार के अलावा) देना पड़ सकता है।' रिपोर्ट में कहा गया कि अगर 21.84 फीसदी कर देना पड़ा तो बीसीसीआई बोर्ड के राजस्व पर इसका विपरीत असर पड़ेगा। ऐसे में बीसीसीआई कर अधिभार मौजूदा 21.84 फीसदी से घटाकर 10.92 फीसदी लाने के लिए बातचीत कर रहा है। अगर ऐसा हो पाता है तो उसे राजस्व में 430 करोड़ रूपए नुकसान होगा।

टमाटर की उन्नत कृषि कार्यमाला

टमाटर अत्यंत ही लोकप्रिय तथा पोषक तत्वों से युक्त फलदार सब्जी है। जिसका उपयोग साल भर किया जाता है। सब्जी के अलावा उससे सूप, चटनी, सलाद, आदि के रूप में भी उपयोग किया जाता है। विटामिन व अन्य खाद्य पदार्थ उपयुक्त मात्रा में पाये जाते हैं।

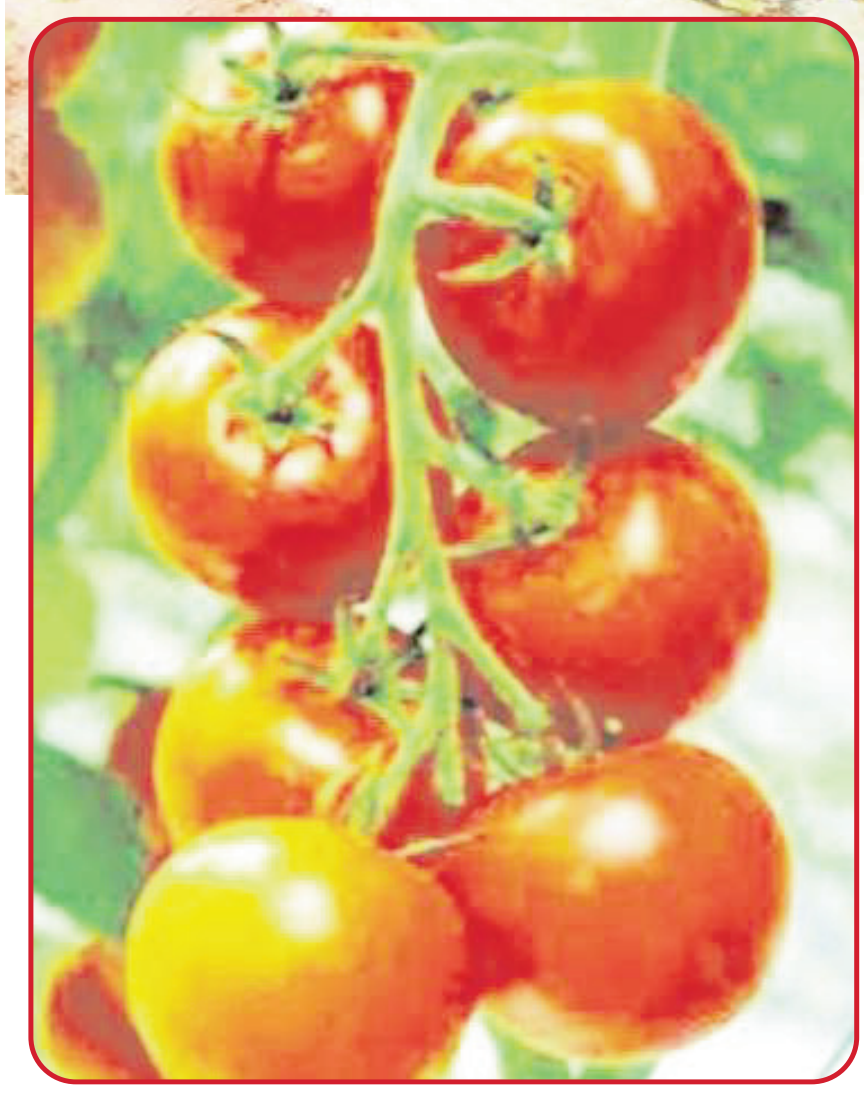

⊙**भूमि**- टमाटर की खेती कई किस्मों की मिट्टी में की जाती है लेकिन अच्छी जल निकासी चिकनी मृदा तथा दोमट मिट्टी सर्वोत्तम है।

⊙**खेत की तैयारी** :- प्रथम जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के बाद 2-3 बार कल्टीवेटर या हैरो चलाना चाहिए ताकि भूमि की निचली कठोर परत टूट जाए। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा चलाना चाहिए ताकि मिट्टी भुरभुरी हो जाए।

⊙**उन्नतशील किस्में** :- पूसा रूबी, पन्त टी-1 पंजाब छुआरा, अर्का विकास, पूसा अर्ली ड्वार्फ आदि।

⊙**बीज दर**:- देशी - 400-500 ग्राम/ हेक्टेयर

⊙संकर - 100 ग्राम / हेक्टेयर

⊙**पौध तैयार करना (नर्सरी)**:- वर्षा ऋतु में 10 सें.मी. ऊंची क्यारी तैयार कर उसमें बीज बोना चाहिए। बीज कतारों में बोना चाहिए।

⊙**बीजोपचार** :- बीज को बोने से पूर्व थायरम या बाविस्टिन से 2 ग्राम/ किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करना चाहिए।

⊙**बुआई का समय** :- खरीफ- जून-जुलाई, शीत -अक्टूबर- नवम्बर

⊙**रोपण** :- क्यारियों में जब पौधे 4 से 5 सप्ताह के हो जाएं या 7 से 10 सें.मी. के हो जाएं तब खेत में रोपित करना चाहिए। पौध रोपण के पश्चात् तुरन्त हल्की सिंचाई करनी चाहिए। एक स्थान पर एक ही पौधा लगाएं।

⊙**पौध अन्तरण**:- कतार से कतार की दूरी 75 सें.मी. एवं पौध से पौध की दूरी 60 सें.मी. रखना चाहिए।

⊙**उर्वरक की मात्रा** :- गोबर खाद 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर भूमि की तैयारी के समय मिलाना चाहिए। यूरिया 217 किलो प्रति हेक्टेयर, तीन भागों में देना चाहिए। पहला भाग, पौध रोपण के समय तथा दूसरा भाग एवं तीसरा भाग 30 दिन के अन्तर से देना चाहिए। एस.एस.पी. 500 किलो/ हेक्टेयर व पोटाश 100 किलो प्रति हेक्टेयर पौध रोपण के समय देना चाहिए।

⊙**सिंचाई** :- टमाटर में अधिक तथा कम सिंचाई दोनों ही हानिकारक हैं। शरद ऋतु में 10 से 12 दिन के अन्तर तथा गर्मी में 4-5 दिन के अन्तर में भूमि के अनुसार सिंचाई की जा सकती है।

⊙**निंदाई गुड़ाई** :- टमाटर की फसल को खरपतवारों से मुक्त रखने के लिए निरंतर निंदाई-गुड़ाई करते रहना आवश्यक है। गुड़ाई उथली करनी चाहिए जिससे जड़ों को नुकसान न पहुंचे। 30-40 दिन बाद पौधों पर मिट्टी चढ़ा देना चाहिए।

⊙**वृद्धि नियामकों का प्रयोग** :- वृद्धि नियामकों का प्रयोग फूलों को झड़ने से रोकने तथा बिना निषेचन के फलों को विकास के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ है। पी.सी.पी.ए. 50-100 पी. पी. एम. (50-100 मि.ग्रा./ लीटर पानी में घोलना है) के घोल का छिड़काव लाभकारी होता है।

⊙**सहारा देना** :- ऊंचाई व मध्यम ऊंचाई वाली किस्मों को पेड़ की टहनियां (बांस) की सहायता से सहारा देना चाहिए, ऐसा करने से पौधे की वृद्धि अच्छी होती है, वर्षा ऋतु में फल तथा पेड़ सड़ते नहीं हैं। फलों का आकार बढ़ जाता है तथा पैदावार भी अधिक होती है।

⊙**फलों की तुड़ाई** :- टमाटर के फसल की तुड़ाई कई अवस्थाओं में की जाती है-

⊙ **कच्चे या हरे फल** :- टमाटर को अधपके हरे से गुलाबी पड़ने पर तब तोड़ा जाता है जब इसे दूर स्थित बाजारों में विपणन हेतु भेजना होता है।

⊙ **गुलाबी या हल्के लाल फल**:- टमाटर को गुलाबी या हल्के लाल होने की अवस्था में तब तोड़ा जाता है जब इसे स्थानीय बाजारों में भेजना होता है।

⊙ **पके हुए टमाटर** :- फलों का अधिकतम भाग लाल होता है व नरम होता है ऐसे फल घरेलू उपयोग या कच्चे सलाद खाने के काम आते हैं।

⊙**अधिक पके टमाटर** :- बीज उत्पादन के लिए लाल फल आदर्श माने जाते हैं। फल परीरक्षण के लिए भी अधिक पके टमाटर अच्छे माने जाते हैं।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

⊙**भूरापन या ब्राउनिंग** - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

⊙**लक्षण** - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

⊙**उपचार** - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

⊙**व्हिपटेल** - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

⊙**लक्षण** - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

⊙**उपचार** - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डेट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

⊙**बटनिंग** - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

⊙**लक्षण** - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

⊙**उपचार** - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

⊙**रेसीयनेस** - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

⊙**लक्षण** - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

⊙**उपचार** - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

⊙**अन्धता** - अन्धता गोभीवर्गीय फसलों से पौधे की वृद्धि के शुरूआत मुख्य कलिका में कीट के प्रकोप के कारण तथा वातावरण में तापमान में कमी होने वाला पाला पड़ने के कारण होता है।

⊙**लक्षण** - अन्धता में पौधे की मुख्य कलिका कीट के कारण क्षतिग्रस्त हो जाती है तथा इसके पत्ते बड़े, चमड़े जैसे मोटे और गहरे रंग के हो जाते हैं।

⊙**उपचार** - अन्धता की रोकथाम के लिए मुख्य कलिका को कीटों से क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिये कीटनाशक का प्रयोग करना चाहिए, उचित किस्म का चयन करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूरोप की शीर्ष अदालत हिजाब बैन को सही ठहराते हुए एक सामान्य प्रतिबंध बताया

ब्रसेल्स । भारत में चल रहे हिजाब बैन विवाद के बीच यूरोप की सुप्रीम कोर्ट का हिजाब को लेकर एक बड़ा निर्णय सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक यूरोप की शीर्ष अदालत ने एक कंपनी के हिजाब बैन को सही ठहराते हुए कहा कि यह एक सामान्य प्रतिबंध है, जो कर्मचारियों के साथ भेदभाव नहीं करता। हिजाब पर मत को लेकर वर्षों से विभाजित रहे वेस्टर्न वर्ल्ड में अब यूरोपीय संघ की कंपनियां हेडस्कार्फ या हिजाब पर प्रतिबंध लगा सकती हैं। आदेश एक मुस्लिम महिला की अपील पर आया है, जिस बेल्जियम की कंपनी ने हिजाब पहनने की अनुमति नहीं दी थी। महिला के अनुसार छह सप्ताह के वर्क ट्रेनी शिप के लिए आवेदन करने पर महिला से कहा गया था कि वह हेडस्कार्फ नहीं पहन सकती है। कंपनी के नियम के खिलाफ महिला ने यूरोपियन कोर्ट ऑफ जस्टिस का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट में सुनवाई के दौरान कंपनी ने कहा कि इसका एक तटस्थता का नियम है, जिसका अर्थ है कि उनके परिसर में किसी भी प्रकार से सिर को ढंकने की अनुमति नहीं है, चाहे वह टोपी, बीन या दुपट्टा हो। महिला पहले अपनी शिकायत बेल्जियम की अदालत में ले गई, जिसने बाद में यूरोपीय संघ के न्यायालय से सलाह मांगी। लक्जमबर्ग स्थित सीजेईयू ने कहा कि इस तरह के प्रतिबंध में कोई प्रत्यक्ष भेदभाव नहीं होना चाहिए। अपने आदेश में न्यायाधीशों ने कहा कि अगर इस सामान्य और बिना भेदभाव के सभी श्रमिकों पर लागू किया जाता है, तब इस धार्मिक चश्मे से नहीं देखा जा सकता है। बता दें कि सीजेईयू ने पिछले साल ही कहा था कि यूरोपीय संघ की कंपनियां कुछ शर्तों के तहत कर्मचारियों के हेडस्कार्फ़ पहनने पर प्रतिबंध लगा सकती हैं। वहीं यूरोप के सबसे बड़े मुस्लिम अल्पसंख्यक देश फ्रांस ने 2004 में सरकारी स्कूलों में इस्लामिक हेडस्कार्फ पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

सिंध प्रांत में बस में आग लगने से 18 बाढ़ पीड़ितों की मौत

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक बस में आग लगने से आठ बच्चों और नौ महिलाओं समेत कम से कम 18 बाढ़ पीड़ितों की जलने से मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि हादसा प्रांत के नूरीबाद थाना क्षेत्र में बुधवार रात को हुआ। वातानुकूलित बस क्षमता से अधिक भरी थी। जियो टीवी के मुताबिक, बस में 80 बाढ़ पीड़ित सवार थे और यह दादू जिले के खैरपुर नाथन शाह से कराची की ओर जा रही थी। खबर में बताया गया है कि जामशोरो के उपायुक्त ने पुष्टि की है कि मृतक संख्या 18 हो गई है तथा मरने वालों में आठ बच्चे और नौ महिलाएं शामिल हैं। खबर में पुलिस अधिकारियों के हवाले से कहा गया है, 'हो सकता है कि एयर कंडीशनर में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी हो।' पुलिस ने बताया कि कुछ सवारियों ने आग से बचने के लिए बस से छलांग लगा दी। पुलिस के मुताबिक, बचाव का काम जारी है और दमकल कर्मी आग को बुझाने के लिए मौके पर पहुंच गए हैं जबकि घायलों को जामशोरो और नूरीबाद के स्थानीय अस्पतालों में भर्ती किया गया है। सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने जामशोरो के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक को बचाव कार्य तेज करने की हिदायत दी है। मुराद ने घटना पर रिपोर्ट भी तलब की है। सिंध प्रांत में बाढ़ से बुरी तरह से प्रभावित जिलों में दादू भी शामिल है।

चीनी महिला ने लिया देवी का अवतार, भक्तों को मानव मल खाने को मजबूर किया

सिंगापुर । सिंगापुर में रहने वाली चीनी महिला को भारतीय देवी का अवतार होने का दिखावा करने और अपने भक्तों को मानव मल खाने के लिए मजबूर करने जैसे कई गंभीर अपराधों के तहत आरोपी बनाया है। रिपोर्ट के अनुसार 52 वर्षीय वू मे हो पर 50 से अधिक आरोप तय किए गए हैं, जिसमें धोखाधड़ी, हानिकारक पदार्थ के माध्यम से चोट देना और गंभीर चोट पहुंचाना शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीनी महिला को दो साल पहले रिमांड पर लिया गया था तब से वह पुलिस हिरासत में है। पिछले सप्ताह ही स्थानीय पुलिस ने कई और पीड़ितों के सामने आने के बाद आरोपी पर कुल आरोपों की संख्या को 10 से बढ़ाकर 50 कर दिया। साथ ही वू के खिलाफ पीड़ितों की संख्या आठ से बढ़कर कम से कम 14 हो गई है। पुलिस ने बताया कि महिला ने अपने पांच भक्तों को कथित रूप से दंड के रूप में मानव मल खाने को मजबूर किया था। इसके बाद वू के खिलाफ लोगों में आक्रोश बढ़ गया। साथ ही आरोपी ने कथित तौर पर एक अन्य महिला को पीड़िता के दांत निकालने और उसके निजी अंग पर पोछे से मारने का निर्देश दिया था। शारीरिक शोषण के अलावा, वू पर कई पीड़ितों के साथ लाखों डॉलर की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

टैक्स कटौती को लेकर दबाव में ब्रिटिश प्रधानमंत्री लिज ट्रस

लंदन । अपनी ही कंजर्वेटिव पार्टी के कुछ नेताओं द्वारा कर कटौती की आर्थिक नीति के लिए विरोध का सामना कर रहीं ब्रिटिश प्रधानमंत्री लिज ट्रस को मंत्रिमंडल का साथ मिला। ट्रस का विरोध कर रहे कंजर्वेटिव नेताओं का मानना है कि उनकी नीतियां जीवन-यापन के संकट के बीच अमीरों के पक्ष में हैं, इसकारण राय शुमारी में विपक्षी लेबर पार्टी को बढ़त मिल रही है। विदेश मंत्री जेम्स क्लेवर्ली ने चेतावनी दी कि छह सितंबर को पूर्व वित्त मंत्री ऋषि सुनक के साथ नेतृत्व की लड़ाई में पार्टी सदस्यों द्वारा चुने जाने के ठीक एक महीने बाद, ट्रस को टोरी नेता के रूप में बदलने के बारे में सोचना विनाशकारी बुरा विचार होगा। तब से पिछले महीने के अंत में पेश किए गए सरकार के लघु-बजट ने वित्त मंत्री क्वासी क्वार्टेंग द्वारा पेश किए गए कर कटौती की प्रस्ताव की आशंका के कारण वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल मचा दी है। यह तब है जब देश के सबसे धनी लोगों के लिए शीर्ष दर को समाप्त करने के लिए सरकार को अपना रुख बदलने पर मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि न केवल राजनीतिक बल्कि आर्थिक रूप से भी नेतृत्व बदलना एक विनाशकारी बुरा विचार होगा, और हम पूरी तरह से अर्थव्यवस्था को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं। इस ट्रस को बदलने की साजिश के खिलाफ कंजर्वेटिव पार्टी को स्पष्ट चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है।

टिवटर खरीद डील में फंस सकते हैं एलन मस्क, फेडरल जांच एजेंसियां कर रही जांच

वाशिंगटन । ट्विटर को खरीदने को लेकर हुई 44 बिलियन डॉलर की डील को लेकर एलन मस्क और सोशल मीडिया दिग्गज कंपनी के बीच तनातनी बढ़ती जा रही है। अब ट्विटर ने कोर्ट में दाखिल किए एक हफलनामे में कहा है कि ट्विटर डील को लेकर फेडरल जांच एजेंसियां एलन मस्क की जांच कर रही हैं। ट्विटर ने कहा कि मस्क के वकीलों से महीनों पहले जांच एजेंसियों से संपर्क करने के लिए कहा गया था, लेकिन अभी तक ऐसा नहीं किया है। इसके साथ ही ट्विटर ने डेलावेयर कोर्ट के जज से आग्रह किया कि वे मस्क के वकीलों को दस्तावेजों को प्रदान करने के आदेश दें। सितंबर के आखिर में मस्क के वकीलों की ओर से एक 'प्रिविलेज लॉग' किया था, जिसमें उन दस्तावेजों का जिक्र किया गया था, जिनकी छानबीना न हो सकें। इस लॉग में 13 मई को यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन को भेजा गया मेल और फेडरल ट्रेड कमीशन को भेजी गई एक प्रेजेंटेशन थी। इस पर ट्विटर की ओर से कोर्ट में दाखिल किए गए हफलनामे में कहा गया है कि अब 'हाइड द बाल' (छिपने- छुपाने) का खेल खत्म होना चाहिए। मस्क को ओर से ट्विटर को खरीदने के एलान के बाद ही ये डील फेक एकाउंट्स की वजह से विवादों में आ गई थी। मस्क का कहना था कि ट्विटर फेक एकाउंट्स के बारे में उन्हें सही जानकारी मुहैया नहीं करा रहा है। इसके कारण उन्होंने ट्विटर डील से बाहर निकलने का फैसला किया था।

दुनिया से यूक्रेन नामोनिशान मिटने की तैयारी में जुट गए पुतिन

मॉस्को । यूक्रेन को पूरी तरह से तबाह कर देना, क्या इसी मकसद से रूस ने जंग जारी रखी है? कई विशेषज्ञ सवाल का जवाब तलाशने में जुटे हुए हैं। कुछ लोगों की मानें तब रूस ने यूक्रेन में परमाणु युद्ध की शुरुआत कर दी है। मगर अभी उसने सामान्य परमाणु हथियारों का प्रयोग नहीं किया है। बल्कि वह उस रणनीति के तहत राजधानी कीव पर मिसाइलें गिरा रहा है, जिसके तहत यूक्रेन के मिट्टी में मिलाया जा सके। कुछ लोगों की मानें रूस इस कदर मिसाइल हमला कर रहा है कि लगा रहा है वह यूक्रेन को पाषाण काल में पहुंचा देगा। कुछ लोगों को 11 साल पहले सीरिया में छिड़े गृह युद्ध की याद आ गई है। कभी आबाद रहने वाला सीरिया आज बंजर हो चुका है। रूस के लिए यूक्रेन के अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले करने का मतलब है, उसकी रीढ़ की हड्डी तोड़ देना। कीव में हर संस्थान को मिसाइलों, ड्रोन और रॉकेट हमले में तबाह कर देना, शायद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कुछ ऐसा ही सोच रहे हैं। कुछ विशेषज्ञों का मानना हैं कि क्रीमिया को रूस से जोड़ने वाले क्रेरेच के पुल पर जो हमला हुआ है, अब उसका बदला लिया जा रहा है। यह पुल 3.5 अरब डॉलर की लागत से बना था। यूक्रेन ने माना है कि उसने इस पुल पर हमला किया था। उसने यह भी कहा है कि केरेच पुल पर जो हमला हुआ है, उस एक ट्रक बम से उड़ाया गया है। रूस का कहना है कि ऐसा करके यूक्रेन ने सीमा रेखा पार कर दी है। 10 अक्टूबर से रूस की तरफ से हमलों में तेजी आई है और इसमें सिर्फ किसी एक टारगेट पर हमला किया जा रहा है, ऐसा नहीं है। बल्कि यूक्रेन में मौजूद हर ढांचे को रूस निशाना बना रहा है। जो बात गौर करने वाली है, वह है कि रूस ने यूक्रेन के थर्मल पावर ए?लांट और कमांड सेंटर्स तक को निशाना बनाया है।

यूक्रेन में रुसी हमले में क्षतिग्रस्त हुई इमारतों के बीच ही राहत व बचाव के काम में लगे कर्मचारी।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय छात्र पर चाकू से हमला, हालत गंभीर

ऑस्ट्रेलिया में लूट के इरादे से एक हमलावर ने 28 वर्षीय भारतीय छात्र के चेहरे, सीने और पेट पर चाकू से कई वार किए। न्यू साउथ वेल्स पुलिस बल ने एक बयान जारी कर कहा कि घटना छह अक्टूबर को रात करीब साढ़े 10 बजे की है और उस समय शुभम गर्ग पैसिफिक हाईवे पर पैदल चल रहा था। 'डेली टेलीग्राफ' अखबार ने बताया कि पुलिस ने 27 वर्षीय डेनियल नोर्वुड को गिरफ्तार कर लिया और उस पर हत्या के प्रयास के आरोप लगाए गए हैं। अखबार के मुताबिक, डेनियल के घर से कई सामान बरामद किए गए हैं और उन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस बयान में कहा गया है, ÷गर्ग के चेहरे, सीने और पेट पर चाकू से कई वार किए गए। उसने एक नजदीकी मकान में रह रहे लोगों से मदद मांगी, जिसके बाद उसे रॉयल नॉर्थ शोर अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में गर्ग की सर्जरी हुई। उसकी हालत गंभीर, लेकिन स्थिर है।÷ 'द कोव' अखबार की खबर के अनुसार, पैसिफिक हाइवे लेन कोव के पास एक अज्ञात शख्स गर्ग के पास आया और उससे पैसे मांगते हुए कथित तौर पर धमकी देने लगा।

खबर के मुताबिक, भारतीय छात्र ने युवक को पैसे देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद हमलावर ने उस पर चाकू से कई वार किए और फिर फरार हो गया। खबर के अनुसार, आरोपी को सोमवार को हॉर्न्सबाय की एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जिसने उसे जमानत देने से इनकार कर दिया।

ब्रिटेन की नई महारानी कैमिला की ताजपोशी में कोहिनूर जड़ा ताज नहीं पहनाया जाएगा!

-भारत को नाराज नहीं करना चाहते किंग जॉर्ज, हीरे ने बढ़ाया तनाव

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन की महारानी क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद नई रानी कैमिला की ताजपोशी अगले साल 2023 में की जानी है। महारानी के सिर पर जो कोहिनूर हीरे जड़ा ताज सजेगा उसको लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। खबरों की मानें तो 'राजनीतिक संवेदनशीलता' की वजह से बकिंघम पैलेस नहीं चाहता कि कोहिनूर हीरे को लेकर कोई नया विवाद खड़ा हो क्योंकि इसके स्वामित्व को लेकर लंबे समय से एक बहस चल रही है। लिहाजा संभव है कि कैमिला को उनकी ताजपोशी में कोहिनूर वाला ताज नहीं पहनाया जाएगा। खबरों के मुताबिक कोहिनूर हीरा, जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई थी, 150 साल से क्राउन ज्वेल्स का हिस्सा है। एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद अब एक बार फिर इसकी वापसी की मांग उठने लगी है। अब तक यह माना जा रहा था कि अगले साल होने वाली क्वीन कैमिला की ताजपोशी में वह कोहिनूर वाला ताज पहन सकती हैं। लेकिन भारत के साथ कूटनीतिक रिश्तों और संभावित विरोध के चलते इसमें बदलाव किया जा सकता है। टेलीग्राफ रॉयल फैमिली ने एक सूत्र के हवाले से दावा किया कि हाल के दिनों से पहले तक हीरे को लेकर कोई विवाद नहीं हुआ। लेकिन शाही परिवार को 'समय के साथ के आगे बढ़ने' की सलाह दी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर ज्योति अटवाल ने इसके महत्व को समझाया। उन्होंने कहा, 'यह उपमहाद्वीप पर ब्रिटेन की जीत की सबसे बड़ी निशानी थी और 1947 में भारत की आजादी के बाद से इसे वापस लाने की मांग की जा रही है।' उन्होंने कहा कि यह हमेशा से राजनीतिक भरपाई और भारतीय गौरव को वापस लाने और इतिहास के दाग को दूर करने के केंद्र में रहा है। शाही परिवार के अंदर से आ रही खबरों के मुताबिक, वर्तमान समय को देखते हुए नए राजा इस तरह के मुद्दों को लेकर बेहद संवेदनशील है और पैलेस में कोहिनूर को लेकर 'राजनीतिक संवेदनशीलता' और खासकर भारत के संबंध में 'घबराहट' का माहौल है। अगर क्वीन कंसोर्ट कोहिनूर वाला ताज नहीं पहनेंगी तो राज्याभिषेक के दौरान उनके पास क्वीन एलिजाबेथ का ताज पहनने का विकल्प मौजूद है। यह सबसे अधिक प्रभावी और सरल विकल्प है। शाही परिवार में पुरुषों के लिए इस हीरे को शापित माना जाता है और माना जाता है कि शाही परिवार का जो पुरुष सदस्य इसे पहनता है उसके बुरे दिन शुरू हो जाते हैं।

चीन में शी जिनपिंग के खिलाफ बगावत? कम्युनिस्ट पार्टी के नेता को उखाड़ फेंकने वाला बैनर आया नजर

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के दोबारा चुने जाने से कुछ दिन पहले बड़ी शर्मिंदगी झेलनी पड़ी है। बीजिंग में शी जिनपिंग को हटाने का आह्वान करने वाले बैनर और पोस्टर सामने आए हैं। बीजिंग स्थित एक पत्रकार के एक ट्वीट के अनुसार चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को 'तानाशाही गद्दार' जिसमें सख्त 'शून्य कोविड' नीति को खत्म करने और कम्युनिस्ट पार्टी के नेता को उखाड़ फेंकने व राष्ट्रपति शी चिनफिंग को हटाने का आह्वान किया गया है। रिपोर्टों के अनुसार सोशल मीडिया पर वीडियो और छवियों के प्रसारित होने के बाद अधिकारियों ने बाद में जिनपिंग विरोधी बैनर हटा दिए। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक के दौरान जिनपिंग 16 अक्टूबर को फिर से चुने जाने के लिए तैयार हैं।

चीन की राजधानी बीजिंग की सड़कों पर इन बैनरों की कई तस्वीरें व वीडियो ट्विटर पर तेजी से वायरल हुए हैं। ट्विटर चीन में ब्लॉक हैं। जिनपिंग के खिलाफ सोशल मीडिया में नाराजगी तब खुलकर सामने आई, जब चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी का 10 साल में दो बार होने वाला सम्मेलन शुरू होने वाला है। चीन में लगे इन बैनरों पर राष्ट्रपति जिनपिंग को पद से हटाने और कठोर कोरोना पाबंदिया खत्म करने की मांग की गई थी। सोशल मीडिया में वायरल ये बैनर बीजिंग के उत्तर पश्चिमी हैडियन जिले में टंगे नजर आए थे।

बैनर लगाकर कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व की आलोचना करने की खबरें आने के बाद बृहस्पतिवार को चीन में इंटरनेट सेंसर ने सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्ट को हटा दिया। बीजिंग या ''हैडियन हैशटैग'' वाले पोस्ट को चीन के लोकप्रिय वीबो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तुरंत ब्लॉक कर दिया गया। कुछ पोस्ट में घटना का सीधे जिक्र किए बिना समर्थन किया गया और अज्ञात व्यक्ति के साहस की प्रशंसा की गई।

वाशिंगटन एयरपोर्ट पर पाकिस्तानी वित्तमंत्री के खिलाफ लगे चोर-चोर के नारे

वाशिंगटन (एजेंसी)।

पाकिस्तान की विश्व और उसके अपने लोगों के बीच किस तरह की छवि है, इसका एक बानगी उस वक्त देखने को मिली जब वाशिंगटन एयरपोर्ट पर पहुंचे पाकिस्तानी वित्तमंत्री इशाक डार के खिलाफ चोर-चोर के नारे लगाए गए। डार वाशिंगटन आईएमएफ से ऋण के सिलसिले में अधिकारियों से बैठक के लिए वहां पहुंचे थे। एयरपोर्ट पर उन्हें लेने के लिए पाकिस्तान के अमेरिका में तैनात राजदूत मसूद खान सहित अन्य अधिकारी वहां पर मौजूद थे। जैसे ही डार गलियारे में आए और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया, तभी पीछे से उनके खिलाफ नारेबाजी होने लगी। उनके खिलाफ एयरपोर्ट पर मौजूद लोगों ने चोर-चोर के नारे लगाए।

इस दौरान डार को एयरपोर्ट पर लेने आए पीएमएल-एन के वर्जीनिया चैप्टर के अध्यक्ष मनी बट की नारेबाजी कर रहे लोगों से काफी तीखी नौकझोंक भी हुई। इस दौरान बट ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। डार का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में इस दौरान एक व्यक्ति को डार को संबोधित कर सुना जा सकता है, कि आप झूठे हैं, आप चोर हैं। इसके जवाब में डार ने भी उस व्यक्ति को झूठा कहकर अधिकारी उन्हें बचाते हुए अलग ले गए।

ये पहली बार नहीं है, कि पाकिस्तान के किसी मंत्री को इस तरह की परिस्थिति का सामना करना पड़ा हो। इससे पहले लंदन में पीएम शहबाज शरीफ के साथ पहुंची केंद्रीय मंत्री मरियम औरंगजेब को भी इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा था। मरियम उस वक्त एक काफी शाप में थीं, तभी वहां पर कुछ पाकिस्तानियों ने जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, ने चोर-चोर के नारे लगाए थे।

भारत की सार्वजनिक वस्तुएं उन देशों के लिए उपलब्ध हैं, जिन्हें इसकी आवश्यकता है: सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने डिजिटलीकरण को पिछले दो साल में भारत के लिए सबसे लाभकारी बदलाव करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि भारत की सार्वजनिक वस्तुएं जरूरतमंद देशों के लिए उपलब्ध हैं। सीतारमण ने दावा किया कि भारत सरकार ने सार्वजनिक वस्तु के रूप में लोगों के लिए जो नेटवर्क उपलब्ध कराया है, उससे लघु एवं मध्यम उद्योगों को अपना काम-काज बढ़ाने में मदद मिल रही है।

वित्त मंत्री ने 'जॉन्स हॉपकिन्स स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज' (एसएआईएस) के छात्रों को भारत की अनूठी 'डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं' पर एक संवादात्मक सत्र के दौरान संबोधित करते हुए कहा, ''यहां खड़े होकर मैं दोहराना चाहती हूं कि भारत की सार्वजनिक वस्तुएं उन देशों के लिए उपलब्ध हैं, जिन्हें इसकी आवश्यकता है।'' मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत के पास डिजिटल सेवाओं का भंडार है, जिसका अन्य देश उपयोग कर सकते हैं।

सीतारमण ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) फ्रांस में एक समझौते पर पहले ही हस्ताक्षर कर चुका है और इसलिए एनपीसीआई के तहत आने वाले सभी ऐप वहां उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, ''उनसे उन सार्वजनिक वस्तुओं के लिए भुगतान नहीं लिया जाता, जो हमने बनाई हैं।'' सीतारमण ने दोहराया कि भारतीय सार्वजनिक वस्तुएं अन्य देशों में उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि उदाहरण के तौर पर कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान भारत ने एक ऐसा ऐप बनाया, जिसकी मदद से कोई भी व्यक्ति अपने निकटतम अस्पताल को ढूंढ सकता है और जो उन्हें टीकाकरण केंद्र की जानकारी देता है।

वित्त मंत्री ने कहा कि यह ऐप टीकाकरण के बाद उसकी जानकारी रिकॉर्ड कर लेता है और लोगों को फोन पर प्रमाण पत्र भी भेज देता है। उन्होंने कहा कि इसकी वजह से विदेश जाने वाले यात्रियों को अपने टीकाकरण का सबूत दिखाने के लिए कागज साथ नहीं रखना पड़ता। वित्त मंत्री ने कहा कि अब यह ऐप अन्य देशों में भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, ''इसी तरह प्रौद्योगिकी शिक्षा में बदलाव ला रही है।'' उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि पिछले दो वर्षों में प्रौद्योगिकी का विकास और इसके अनुकूल खुद को ढालना भारत के लिए सबसे बड़ा लाभ बन गया है।

उत्तर और दक्षिण कोरिया में विस्फोटक हालात! दागे जा रहे मिसाइल और गोला-बारूद, क्षेत्र में तनाव और बढ़ा

सियोल। (एजेंसी)।

विचारधारा के अनुसार दो हिस्सों में बंटा कोरियाई प्रायद्वीप एक दूसरे का कट्टर विरोधी हैं। जहां उत्तर कोरिया रूस और चीन का समर्थन करता है वहीं इसके विपरीत दक्षिणी कोरिया एक तरह से अमेरिका से प्रभावित हैं। यहां के नेशनल मुद्दे और राजनीति में भी अमेरिकी हस्ताक्षेप रहता है। अगर जियो पॉलिटिक्स की नजर से देखा जाए तो अमेरिका उत्तर कोरिया का विरोध करता है क्योंकि वह रूस का समर्थक हैं। वहीं दक्षिण कोरिया अमेरिका का नजदीकी माना जाता है इस लिए रूस इसकी अलोचना करता हैं। दोनों देश सीमा साझा करने के बावजूद एक-दूसरे के दुश्मन हैं। उत्तर कोरिया के द्वारा बार बार दक्षिणी कोरिया को युद्ध के लिए उकसाने का काम किया जाता हैं। दक्षिण कोरिया के सागर के पास उत्तर कोरिया बैलास्टिक मिलाइल का परिक्षण करता हैं। जपान जैसे देशों के उपर से मिसाइल के लिए रास्ता बनाता है। ऐसे में उत्तर कोरिया इस तरह की हरकतें करने के कारण कई सारे प्रतिबंधों का सामना कर रहा हैं।

तामाम प्रतिबंधों के बावजूद भी उत्तर कोरिया बाज नहीं आ रहा है। जहां पूरी दुनिया में यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध ने बुरा प्रभाव डाला है लेकिन मानों ऐसा लग रहा है कि उत्तर कोरिया को इससे कोई भी फर्क नहीं पड़ रहा है वह पिछले काफी समय से आग में घी डालने जैसा काम कर रहा हैं। उत्तर कोरिया ने समुद्र की दिशा में एक और बैलिस्टिक मिसाइल और 170 राउंड गोला-बारूद दागे। उसने दक्षिण कोरिया से सटी तनावपूर्ण सीमा के पास युद्धक विमान भी उड़ाए, जिससे हाल ही में उत्तर कोरिया के हथियारों के परीक्षण से क्षेत्र में उत्पन्न तनाव और बढ़ गया। उत्तर कोरिया का यह कदम बताता है कि वह विरोधियों से रियायत पाने के लिए हथियारों का परीक्षण कर युद्ध का भय दिखाने के अपने पुराने पैंतरे को आजमा रहा है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने एक बयान जारी कर कहा कि उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग से स्थानीय समयानुसार शुक्रवार देर रात एक बजकर 49 मिनट पर कम दूरी की एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई, जो देश के पूर्वी समुद्री क्षेत्र में जाकर गिरी। 25 सितंबर से हथियार परीक्षण गतिविधियां फिर से शुरू करने के बाद से यह उत्तर कोरिया का 15वां मिसाइल प्रक्षेपण है।

उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा था कि उसके द्वारा हाल-फिलहाल में आजमाई गई मिसाइलें दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी ठिकानों पर परमाणु हमले करने में सक्षम हैं। उसने कहा था कि ये परीक्षण अमेरिका और दक्षिण कोरिया द्वारा एक अमेरिकी विमानवाहक पोत के जरिये क्षेत्र में किए गए ''खतरनाक'' सैन्य अभ्यास का जवाब थे। खबरों के मुताबिक, हालिया मिसाइल परीक्षण के बाद उत्तर कोरिया ने अपने पश्चिमी तट से 130 और पूर्वी तट से 40 राउंड गोले दागे। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल ने

संवाददाताओं से कहा कि उत्तर कोरिया की उकसावे भरी कार्रवाई ''लगातार बढ़ती'' जा रही है, लेकिन उनके देश में बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई करने की क्षमता है, जो उत्तर कोरिया के वास्तविक हमलों को कुछ हद तक रोक सकती है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के मेजर जनरल कांग हो पिल ने बाद में टेलीविजन पर दिए बयान में कहा कि दक्षिण कोरिया ने ''उत्तर कोरिया को अपने हथियारों के परीक्षण को तुरंत रोकने के लिए एक कड़ी चेतावनी'' जारी की है। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया के पास उत्तर कोरिया की किसी भी उकसावे भरी कार्रवाई पर ''कड़ी प्रतिक्रिया'' देने की क्षमता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिंदूर-बिंदी और चूड़ा पहन कर कैटरीना कैफ ने सेलिब्रेट किया अपना पहला करवा चौथ

कैटरीना कैफ और विक्की कौशल बॉलीवुड टाउन के सबसे लोकप्रिय कपल में से एक हैं। कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने दिसंबर 2021 में शादी की। इनकी शादी में परिवार और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। शादी से पहले दोनों ने कभी भी एक दूसरे को लेकर खुलकर बात नहीं की लेकिन शादी के बाद दोनों को सोशल मीडिया पर एक साथ खूब तस्वीरें पोस्ट करते हुए देखा जाता हैं। कैटरीना कैफ ने विक्की कौशल के लिए पहला करवा चौथ का व्रत रखा। कैट ने पूरी हिंदू परंपरा के अनुसार करवा चौथ की पूजा की और सौलह श्रंगार भी किया। सोशल मीडिया पर कैट और विक्की की तस्वीरें शेयर की जो थोड़ी ही देर में वायरल हो गयी। कैट की खूबसूरती को देखकर लोगों ने कमेंट बॉक्स में उनकी जमकार तारीफ की। कैट विदेशी होने के बाद भी उन्होंने हिंदू परंपरा को बहुत अच्छे से अडोप्ट किया हैं उसकी भी लोगों ने सरहाना की हैं।

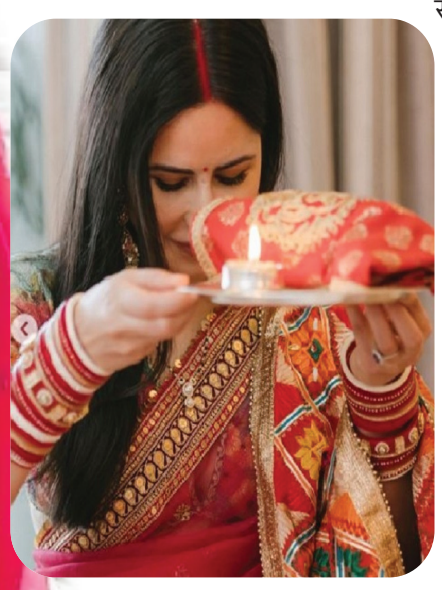

कैटरीना और विक्की का पहला करवा चौथ

इस साल कैटरीना अपना पहला करवा चौथ मना रही हैं। लवबर्ड्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर जश्न की तस्वीरें साझा कीं। कैटरीना ने ससुराल वालों के साथ रस्मों में हिस्सा लिया। कैटरीना ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें साझा कीं। पहली तस्वीर में कैटरीना अपने पति के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। दोनों ट्रेडिशनल आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। दूसरी तस्वीर में कैटरीना और विक्की को उनके माता-पिता के साथ पोज देते हुए दिखाया गया है। तीसरी तस्वीर में जोड़े को खुशी से झूमते हुए दिखाया गया है। आखिरी तस्वीर में अभिनेत्री को रस्में निभाते हुए दिखाया गया है।

सलमान ने 'बिग बॉस' को दिलचस्प बनाने की सलाह दी

सुपरस्टार सलमान खान को पहले वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान 'बिग बॉस 16' के प्रतियोगियों को चुनौती देते हुए देखा गया। उन्होंने सभी को अपना असली पक्ष दिखाने और खेल को दिलचस्प बनाने की सलाह दी। अभिनेता अंकित गुप्ता की ओर इशारा कर उन्होंने उन्हें खेल में दिखाई देने और मुखर होने के लिए कहा है। जबकि अंकित ने खुद को सही ठहराने की कोशिश की कि उन्हें खुलने में समय लगता है, सलमान ने उनसे कहा, 'आपके पास सीमित समय है'। वास्तव में 'बिग बॉस' के कई प्रशंसकों और उनके सह-प्रतियोगियों ने यह भी बताया कि वह शांत हैं और उनका खेल वैसा ही है जैसा पिछले सीजन में सिंबा नागपाल खेला करता था। इस बीच, होस्ट ने प्रियंका चाहर चौधरी को भी एक सलाह दी, जो अंकित की 'उदारियां' की सह-अभिनेता भी हैं और उन्होंने 'बिग बॉस 16' में सबसे अच्छे दोस्त के रूप में प्रवेश किया कि वे दोनों अपनी दोस्ती का आकर्षण खो रहे हैं और उन्होंने प्रियंका से कहा, 'अंकित के साथ आपकी केमिस्ट्री इतिहास बन गई है।' उन्होंने उन्हें इस वापस लाने के लिए कहा ताकि उनके खेल को दिलचस्प बनाया जा सके। प्रियंका ने जवाब दिया कि अंकित को और अधिक अभिव्यंजक होने की जरूरत है और उसकी खामोशी ने अक्सर उनकी दोस्ती में समस्याएं पैदा की हैं।

फिल्म चलाने के लिए बॉलीवुड का नया दाव

सिनेमाघर में परिणीति चोपड़ा की फिल्म की टिकट का दाम केवल 100 रुपये

परिणीति चोपड़ा अपनी पहली एक्शन फिल्म कर रही हैं। वह 'कोड नेम तिरंगा' में भारत को बचाने के लिए एक बेहद जोखिम भरे मिशन पर एक एजेंट की भूमिका निभाती है। अभिनेता परिणीति चोपड़ा के नेतृत्व वाली फिल्म कोड नेम तिरंगा के लिए टिकट की कीमत पहले दिन 100 रुपये रखी गई है।

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा की आगामी फिल्म 'कोड नेम तिरंगा' की रिलीज होने वाले पहले दिन की टिकट की कीमत 100 रुपये रखी गई है। यह फिल्म शुक्रवार को रिलीज होगी। 'कोड नेम तिरंगा' का निर्देशन रिभु दासगुप्ता ने किया है। फिल्म में परिणीति चोपड़ा को पंजाबी गायक-अभिनेता हार्डी संधू के साथ एक एजेंट की भूमिका में दिखाया गया है।

रिलायंस एंटरटेनमेंट ने अपने आधिकारिक ट्विटर पृष्ठ पर टिकट की कीमत के बारे में जानकारी दी। निर्माताओं ने ट्वीट किया, ''समूचे भारत में दर्शकों के लिए पहले दिन विशेष पेशकश! शुक्रवार, 14 अक्टूबर को सिनेमाघरों में 'कोड नेम तिरंगा' की टिकट केवल 100 रुपये में।

महामारी के दौरान दूसरी लहर के बीच में शूटिंग के दौरान अपने अनुभव के बारे में अभिनेत्री बात करती है। परिणीति चोपड़ा कहती हैं, 'हमने मानव जाति द्वारा देखे गए सबसे अप्रत्याशित समय में से एक के दौरान कोड नाम तिरंगा की शूटिंग की, हम कोविड -19 की दूसरी लहर के दौरान भारत के लॉकडाउन में जाने से तीन दिन पहले तुर्की के लिए रवाना हुए। जैसा कि मुझे वह करने का सौभाग्य मिला जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है, जो अभिनय है, हर एक दिन बहुत मुश्किल था क्योंकि हमारे सामने कई चुनौतियां थीं।'

'दुरंगा' का सीजन 2 रिलीज के लिए तैयार

गुलशन देवैया-स्टारर 'दुरंगा', जो कि कोरियाई शो, 'फ्लावर ऑफ एविल' का आधिकारिक भारतीय रूपांतरण है, के दूसरे सीजन को लेकर अपडेट सामने आ गया है। यह शो, जिसमें दृष्टि धामी, अमित साध, बरखा सेनगुप्ता और राजेश खट्टर भी हैं, एक अनोखी प्रेम कहानी पर आधारित है जहां सम्मित पटेल (गुलशन देवैया द्वारा अभिनीत) आदर्श पुरुष, पिता और पति के रूप में दिखाई देते हैं, जबकि उनकी पत्नी इरा (द्रष्टि धामी द्वारा अभिनीत) हत्याओं के मामलों की जांच करती है। गुलशन ने एक बयान में कहा, 'प्रशंसकों का यह प्यार अद्भुत है। हमने तब कुछ सही किया होगा। मैं बहुत रोमांचित हूं कि के ड्रामा पर हमारा कदम इतना सफल रहा है।' सीरीज एक मनोरोगी सीरियल किलर बाला के संदिग्ध साथी द्वारा आत्महत्या के 20 साल बाद, खूनी नकलची हत्याओं के निशान का अनुसरण करती है। यह मामला इरा को उसके पति के अतीत के बारे में चौंकाने वाले खुलासे की ओर ले जाता है और उसे एक आदर्श परिवार को नष्ट करने की धमकी देता है। अमित साध, जिन्होंने पहले सीजन में एक कैमियो भूमिका निभाई थी, लेकिन अपने चरित्र के साथ कथा के पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, उन्होंने कहा, 'मैं 'दुरंगा' में अपनी कैमियो भूमिका के लिए प्यार को देखकर खुश हूं।'

अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने फिल्म के सेट पर मनाया अपना जन्मदिन

अभिनेत्री पूजा हेगड़े वर्तमान में सलमान खान अभिनीत 'किसी का भाई किसी की जान' की शूटिंग कर रही हैं और उन्होंने मुंबई में फिल्म के सेट पर अपना जन्मदिन मनाया। वो 13 अक्टूबर 1990 को पैदा हुई थी। अपने कामकाजी जन्मदिन के बारे में बात करते हुए, पूजा ने कहा, ''मुझे लगता है कि नए साल में कदम रखने का इससे बेहतर तरीका नहीं होगा, जो मुझे पसंद है, शूटिंग करना। साथ ही सेट पर जन्मदिन का अपना मजा होता है। दर्शकों को एक अलग पक्ष दिखाई देगा। मैं इस फिल्म में हूं। मैं इसके रिलीज होने का इंतजार नहीं कर सकती हूं!' 'किसी का भाई किसी की जान' एक एक्शन से भरपूर एंटरटेनर है, जिसका निर्देशन फरहाद सामजी ने किया है, जो इससे पहले अक्षय कुमार और कृति सैनन-स्टारर 'बच्चन पांडे' का निर्देशन कर चुके हैं। 'किसी का भाई किसी की जान' फिल्म में दग्गुबाती वेंकटेश भी मुख्य भूमिका में हैं। सलमान खान फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म 2022 के अंत में रिलीज होगी। पूजा 'सर्कस' में रणवीर सिंह के साथ, 'एसएसएमबी28' में महेश बाबू के साथ और विजय देवरकोंडा के साथ एक फिल्म में भी दिखाई देंगी।

जंगल आपकी परीक्षा भी लेतें हैं: अभिनेत्री सदा

वन्यजीव फोटोग्राफर बन चुकीं अभिनेत्री सदा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक युवा बाघिन जुगनी की तस्वीरें क्लिक करते हुए एक वीडियो साझा किया है। उन्होंने लिखा, 'जब जुगनी 'पीक-ए-बू' मूड में है .. मुझे बाद में पता चला कि जुगनी मेरी सबसे प्यारी बाघिन मातरम की पोती है। उन्होंने फिर अपने कैप्शन में उल्लेख किया, 'जंगल आपको धैर्य सिखाते हैं और परीक्षा भी लेते हैं। जंगलों में जंगली जानवरों का कानून चलता है और उनकी इच्छा का हम सम्मान करते हैं और खुशी से ऐसा करते हैं।' वह थाईलैंड में कैद जानवरों के बारे में एक दुखद तस्वीर पेश करती है, 'मैं उन सभी सेलेब्स / इंफ्लूएंसर्स का जिक्र कर रही हूं जो थाईलैंड टाइगर पार्कों में घूम रहे हैं, जो बेहोश और शोषित बाघों (एसआईसी) के साथ बहादुर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'वीडियो हाथ से शूट किया गया था, कृपया हिलते हुए वीडियो के लिए क्षमा करें। यहां बीन बैग का उपयोग करने की कोई गुंजाइश नहीं थी।' उन्होंने आगे कहा, 'वे या तो अपनी पूरी महिमा में दिखाई देते हैं या आपको सिर्फ एक झलक देने के लिए घंटों इंतजार कराते रहते हैं।

फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' के लिए आयुष्मान खुराना ने ली इस दिग्गज कलाकार से प्रेरणा

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना अपनी फिल्मों के चलते अक्सर चर्चा में रहते हैं और उनकी फिल्म बिल्कुल अलग तरह के विषय पर होती हैं। आयुष्मान जल्द ही फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' में नजर आने वाले हैं। हाल ही में आयुष्मान ने बताया कि उन्हें इस फिल्म के लिए किससे प्रेरणा मिली है। आयुष्मान खुराना ने बताया कि ड्रीम गर्ल 2 के लिए उन्हें दिवंगत अभिनेता और सिंगर किशोर कुमार से प्रेरणा मिली है। उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया की फिल्म के लिए उन्हें किशोर कुमार से कैसे प्रेरणा ली है? आयुष्मान खुराना ने कहा, गायक किशोर कुमार बहु-प्रतिभाशाली थे और एक कलाकार के रूप में, मैं हर मोड़ पर उनसे प्रेरणा लेता हूं। वह मेरे गुरु रहे हैं और उनका काम मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। जब से मैं 'ड्रीम गर्ल 2' की शूटिंग कर रहा हूं, मैं किशोर दा का अद्भुत ट्रैक 'आके सीधी लगी दिल पे' लूप पर सुन रहा हूं। उनकी आवाज जादुई थी और उन्होंने इस गाने के लिए महिला और पुरुष दोनों आवाजों को सहजता से प्रस्तुत किया है। गौरतलब है कि आयुष्मान खुराना 'ड्रीम गर्ल 2' की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। इस फिल्म में उनके साथ अनन्या पांडे नजर आने वाली हैं। फिल्म का निर्देशन राज शांडिल्य कर रहे हैं। वहीं इसे एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल ईद पर यानि 29 जून 2023 को रिलीज होगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

सार समाचार

ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में भारतीय हस्तशिल्प का पांच दिवसीय मेलाशुरू

नई दिल्ली। भारतीय हस्तशिल्प उत्पादों का सबसे बड़ा मेलाग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में शुक्रवार से शुरू हो गया। हस्तशिल्प निर्यात संबर्धन परिषद (ईपीसीएच) द्वारा आयोजित इस पांच दिवसीय मेले में एक छत के नीचे देश भर के तीन हजार से अधिक हस्तशिल्प, निर्यातक और कारीगर होम, लाइफ स्टाइल, फैशन, टेक्सटाइल और फर्नीचर के साथ-साथ अपने खास उत्पादों को प्रदर्शित कर रहे हैं। आईएचजीएफ (इंडियन हैंडीक्रॉफ्ट गिफ्ट फेयर) के नाम से आयोजित मेले में इस बार 100 से अधिक देशों के खरीदार आ रहे हैं। ईपीसीएच के अध्यक्ष राज कुमार मल्होत्रा ने बताया कि 'आईएचजीएफ-दिल्ली मेला ऑटम-2022' अपनी तरह का एक अनूठा मेला है। देश भर के तीन हजार से अधिक प्रदर्शक हाउसवेयर, होम फर्निशिंग, फर्नीचर, उपहार एवं साज-सज्जा, बच्चों के खिलौने, हाथ से बने कागज के उत्पाद एवं स्टेशनरी आदि की प्रदर्शनी लगाएंगे। ईपीसीएच के महानिदेशक राकेश कुमार ने बताया कि आईएचजीएफ- दिल्ली मेले का यह 54वां संस्करण है। उन्होंने कहा कि इस बार बेहतर कारोबार की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि 2021-22 के दौरान हस्तशिल्प का निर्यात 33,253 करोड़ रुपये का हुआ है, जो बीते वर्ष की तुलना में 29.49 प्रतिशत अधिक है। ऑटम 2022 में 90 से अधिक देशों के खरीदार आ रहे हैं। इनमें अर्जेंटीना, आर्मीनिया, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बहरीन, बेल्जियम, बोलीविया, ब्राजील, ब्रुनेई दारुस्सलाम, कंबोडिया, कनाडा, चिली, चीन, कोलंबिया, साइप्रस, डेनमार्क, मिस्र, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, ग्वाटेमाला, हांगकांग, हंगरी, इंडोनेशिया, ईरान, आयरलैंड, इजराइल, इटली, जापान समेत कई देश शामिल हैं।

आतंकवादियों द्वारा गोरखनाथ मंदिर को बम से उड़ाने की झूठी सूचना देने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिवाली पर प्रसिद्ध गोरखनाथ मंदिर को आतंकवादियों द्वारा बम से उड़ाने की झूठी सूचना देने के आरोप में 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी ने बुधवार को आपात नंबर 112 पर फोन पर किया और खुद को वरिष्ठ पुलिस अधिकारी प्रद्युम्न बताया। क्षेत्राधिकारी यश त्रिपाठी ने कहा कि उसने बताया कि वह बीआरडी मेडिकल कॉलेज के पास है और छह से सात लोग इलाज के बहाने अस्पताल पहुंचे हैं लेकिन वे आतंकवादी हैं और दिवाली पर गोरखनाथ मंदिर को बम से उड़ाने की साजिश रच रहे हैं। जांच के दौरान आरोपी की पहचान देवरिया जिले में कोतवाली थाना के मेहड़ा पुरवां निवासी अनंत गुप्ता के तौर पर हुई। क्षेत्राधिकारी के अनुसार, पुलिस फोन करने वाले के घर पहुंची और पाया कि उसने कथित हमले के बारे में झूठी सूचना दी थी जिसके बाद उसे बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। कोतवाली के निरीक्षक अनिल तिवारी की शिकायत पर गुप्ता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 153 ए (धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 153 बी (राष्ट्रीय एकता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले लांछन, आरोप) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दिवाली पर तैनात रहेगा दिल्ली दमकल विभाग, सभी कर्मचारियों की छुटटी की गई निरस्त

नई दिल्ली । दिवाली के निकट आने के तहत दिल्ली दमकल सेवा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक योजना बना रही है, ताकि दिवाली मनाते समय कोई परेशानी पैदा नहीं हो। दमकल विभाग ने बताया कि उसके कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। इतना ही नहीं दिल्ली में 30 स्थानों पर अग्निशमन उपकरण तैनात किए गए हैं। उसने कहा कि विभाग आग से संबंधित किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस साल दिवाली 24 अक्टूबर को है। अधिकारियों ने बताया कि पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद विभाग को 2021 में दिवाली पर आग लगने की घटनाओं से संबंधित 152 से अधिक फोन आए थे। बहरहाल, 2020 से इस संख्या में 25 प्रतिशत की कमी आई और यह संख्या 15 वर्षों में सबसे कम है। उन्होंने कहा कि अग्निशमन सेवा नियंत्रण कक्ष आमतौर पर दिवाली पर फोन से मिलने वाली अधिकतम सूचना का जवाब देता है और आपात स्थिति से निपटने के लिए दमकलकर्मियों को हर समय तैयार रहने की जरूरत होती है। इस साल भी करीब 2,900 दमकलकर्मी आपात स्थिति से निपटने के लिए ड्यूटी पर हैं। दमकल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि व्यवस्थाओं के अनुसार, दमकल विभाग 23 और 24 अक्टूबर को शाम 5 बजे से मध्यरात्रि तक 22 व्यस्त स्थानों में से प्रत्येक पर दमकल वाहन तैनात करेगा। इन स्थानों का चयन दिवाली के दौरान आग से संबंधित हर साल आए फोन कॉल के विश्लेषण के आधार पर किया गया है। इसके अलावा, अग्निशमन उपकरणों से लैस मोटरसाइकिल को संकरी और भीड़भाड़ वाले पांच अन्य स्थानों पर तैनात किया जाएगा।

उत्तराखंड- यूपी पुलिस की रेड के दौरान झड़प, भाजपा नेता की पत्नी की मौत, 6 पुलिस वाले घायल

उधमसिंह नगर । अवैध रेत खनन के आरोपी की तलाश में उत्तराखंड पहुंची यूपी पुलिस के साथ झड़प में भाजपा नेता की पत्नी की मौत हो गई। महिला की पहचान एक स्थानीय उत्तराखंड के उधम सिंह नगर में उत्तर प्रदेश पुलिस की एक टीम के साथ झड़प के दौरान एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। महिला सहित कई अधिकारी रेड मारने और अवैध रेत खनन के आरोपी व्यक्ति की तलाश में वहां पहुंचे थे। महिला की पहचान एक स्थानीय भाजपा नेता की पत्नी के रूप में पहचान की गई। अधिकारियों ने बताया कि इस झड़प में उत्तर प्रदेश पुलिस के चार कर्मियों सहित पांच लोग घायल हो गए। घटना उधम सिंह नगर जिले के भरतपुर गांव में हुई। इस घटना में उत्तर प्रदेश के छह पुलिस कर्मी घायल हो गए थे, जिनमें दो गोली लगने से घायल हो गए थे। इसके बाद से ही भाजपा शासित दो राज्यों के पुलिस बलों के बीच वाकयुद्ध शुरू कर दिया। उत्तराखंड पुलिस ने कहा कि उसे ऑपरेशन के बारे में जानकारी में नहीं रखा गया था, लेकिन यूपी पुलिस ने कहा कि उसने ऑपरेशन शुरू करने से पहले उधम सिंह नगर पुलिस को सतर्क कर दिया था। गोली मार दी गई महिला की पहचान स्थानीय भाजपा नेता और ब्लॉक प्रमुख गुरतेज भुल्लर की पत्नी गुरप्रीत भुल्लर के रूप में हुई है। डीआईजी (कुमाऊं) नीलेश आनंद भरने ने बताया कि कुंडा पुलिस स्टेशन में महिला के परिवार की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि यूपी पुलिस की टीम उत्तराखंड में गिरफ्तारी करने आई थी, लेकिन स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी। प्राथमिकी 11-12 अज्ञात यूपी पुलिस कर्मियों के खिलाफ है और आईपीसी की धाराओं के तहत हत्या, दंगा, घर-अतिचार की तैयारी के बाद चोट, हमला या गलत संयम, शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान, आपराधिक धमकी और आपराधिक साजिश के तहत दर्ज किया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुवाहाटी दौरे पर पहुंची, कामाख्या मंदिर में की पूजा-अर्चना

गुवाहाटी । देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पूर्वोत्तर राज्य असम की अपनी दो दिवसीय यात्रा के आखिरी दिन शुक्रवार को गुवाहाटी में नीलांचल पर्वत शिखर पर स्थित 51 शक्ति पीठों में से एक प्रसिद्ध कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस मौके पर राष्ट्रपति के साथ असम के राज्यपाल जगदीश मुखी, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

शक्ति पीठ के एक पुजारी ने पत्रकारों से कहा, 'राष्ट्रपति और उनकी बेटी ने मंदिर के गर्भगृह में पूजा की और मंदिर की 'परिक्रमा' लगाई। चूंकि, दिन के दौरान राष्ट्रपति के कई कार्यक्रम निर्धारित हैं, इसलिए उनके साथ बातचीत का मौका नहीं मिला।' इस साल की शुरुआत में मुर्मू ने राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान गुवाहाटी की अपनी यात्रा के दौरान कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। राष्ट्रपति विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगी और दिन में डिजिटल माध्यम से कई परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगी। वह आधुनिक सुविधाओं से युक्त आदर्श 'आंगनवाड़ी' केंद्रों और सार्वभौमिक घरेलू विद्युतीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने से जुड़ी 'मिशन सौभाग्य' योजना का शुभारंभ करेंगी। मुर्मू सिलचर के मोइनारबॉन्ड में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के रेल-फेड पेट्रोलियम स्टोरेज डिपो का उद्घाटन करेंगी। वह असम के चाय बागान क्षेत्रों में 100 आदर्श माध्यमिक विद्यालयों की आधारशिला रखेंगी। इसके अलावा, राष्ट्रपति गुवाहाटी के अघोरी में दो राजमार्ग परियोजनाओं और एक आधुनिक कार्गो-सह-कोचिंग टर्मिनल का भी उद्घाटन करेंगी। वह गुवाहाटी से लुमडिंग, शोखुवी (नगालैंड) और मंडीपाथर (मेघालय) तक एक ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगी। राष्ट्रपति के रूप में अपनी पहली असम यात्रा के तहत मुर्मू गुरुवार को गुवाहाटी पहुंची थीं। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-गुवाहाटी में एक कार्यक्रम में डिजिटल माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया था और आधारशिला रखी थी। उन्होंने बाद में शाम को राज्य सरकार द्वारा उनके सम्मान में आयोजित एक नागरिक स्वागत समारोह में हिस्सा लिया था।

जी-23 के नेताओं ने खुलकर किया मल्लिकार्जुन खड़गे का समर्थन, उनके हाथ में पार्टी सुरक्षित रहेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस पार्टी के नए अध्यक्ष का चुनाव जैसे-जैस नजदीक आ रहा है। उम्मीदवारों की उम्मीदवारी के समर्थन में भी नेता अब खुलकर सामने आ रहे हैं। अभी तक एक प्रत्याशी के समर्थन में दिग्गज नेता खुलकर तारीफ या समर्थन नहीं कर पा रहे थे। लेकिन अब यह सिलसिला तेजी से शुरू हो गया है। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में शुमार और जी-23 समूह के सदस्य मनीष तिवारी ने मल्लिकार्जुन खड़गे के समर्थन में खुलकर बयानबाजी की है। कांग्रेस अध्यक्ष पद पर चुनाव 17 को होगा और नतीजे 19 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे।

कांग्रेस नेता तिवारी ने खड़गे की उम्मीदवारी को लेकर बयान दिया हैं, कि वह पार्टी को अध्यक्ष के तौर पर स्थिरता प्रदान करने में सक्षम हैं। एक अध्यक्ष के तौर पर कांग्रेस पार्टी 'सुरक्षित हाथों में होगी। उन जैसे अध्यक्ष की कांग्रेस पार्टी को बेहद जरूरत है। उन्होंने खड़गे की उम्मीदवारी का खुलकर समर्थन किया है, जबकि जी-23 समूह के सदस्य शशि थरूर भी चुनावी दंगल में उतरे हुए हैं। खड़गे और थरुर के बीच अध्यक्ष पद को लेकर सीधा मुकाबला है।

तिवारी ने कहा कि यदि सभी तथ्यों पर विचार और निष्पक्ष मूल्यांकन किया जाता है, तब खड़गे कांग्रेस की सेवा में समर्पित नेताओं में से एक हैं। उन्होंने अपने जीवन के 50 साल से अधिक कांग्रेस पार्टी की सेवा में लगाए हैं। इन सभी मामलों में मेरा मानना है, कि कांग्रेस पार्टी को खड़गे के रूप में 'सुरक्षित हाथों' की जरूरत है। उन्होंने कहा कि खड़गे बेहद ही शांत व्यक्तित्व वाले नेता हैं, जोकि पार्टी में सबसे निचले पदों पर रहकर आगे बढ़े हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जिस कांग्रेस को स्थिरता की जरूरत है, वहां निश्चित तौर पर उस प्रदान कर सकते हैं।

बता दें कि तिवारी खड़गे के प्रस्तावकों में से एक हैं। तिवारी के साथ-साथ जी23 के एक अन्य नेता आनंद शर्मा भी प्रस्तावक हैं। गत 30 सितंबर को खड़गे द्वारा दाखिल किए गए नामांकन का समर्थन करने वाले अन्य पार्टी नेताओं में एके एंटनी, अशोक गहलोत, अंबिका सोनी, मुकुल वासनिक, अभिषेक सिंघवी, अजय माकन, भूपिंदर सिंह हुड्डा, दिग्विजय सिंह, तारिक अनवर, सलमान खुर्शीद, अखिलेश प्रसाद सिंह, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, वी नारायणसामी शामिल हैं। वी वैथीलिंगम, प्रमोद तिवारी, पीएल पुनिया, अविनाश पांडे, राजीव शुक्ला, सैयद नसीर हुसैन, रघुवीर सिंह मीणा, धीरज प्रसाद साहू, तरसेम चंद बागरी, पृथ्वीराज चव्हाण, कमलेश्वर पटेल, मूलचंद मीणा, दिलीप गज्जर, संजय कपूर और विनीत पुनिया आदि प्रमुख रूप से शामिल हैं।

तिवारी ने कहा कि कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्षा सोनिया गांधी की पार्टी में हमेशा भूमिका रहेगी. उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी ने हमेशा निष्पक्षता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधकर पूछा कि पार्टी में लोकतांत्रिक चुनाव आखिरी बार कब हुआ था।

केंद्र द्वारा जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने के मामले पर तिवारी ने कहा कि मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है और मामले पर सुनवाई 31 अक्टूबर को होगी। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर हमेशा से भारत का अभिन्न अंग रहा है और रहेगाज उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को कांग्रेस द्वारा लागू नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि भारत की संविधान सभा, जिसमें श्यामा प्रसाद मुखर्जी शामिल थे, ने वहां अनुच्छेद 370 लागू किया।

ऋतुजा लटके को परेशान करने को लेकर लोगों में आक्रोश है: आदित्य ठाकरे

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट के नेता आदित्य ठाकरे ने एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली महाराष्ट्र सरकार की शुक्रवार को आलोचना करते हुए कहा कि जिस तरीके से उनकी पार्टी की प्रत्याशी ऋतुजा लटके को परेशान किया गया है, उससे लोगों में गुस्सा है। लटके अंधेरी ईस्ट विधानसभा सीट पर अगले महीने होने वाले उपचुनाव के लिए शिवसेना के ठाकरे गुट की प्रत्याशी हैं। आदित्य ठाकरे ने कहा कि उन्हें 100 फीसदी भरोसा है कि लटके को महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के घटक दलों के मत मिलेंगे।

एमवीए में शिवसेना का ठाकरे गुट, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और कांग्रेस शामिल हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) की कर्मचारी लटके ने इस महीने की शुरुआत में इस्तीफा दे दिया था लेकिन बीएमसी ने इसे स्वीकार नहीं किया। लटके ने बाद में बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया, जिसने बृहस्पतिवार को उन्हें राहत देते हुए बीएमसी को उनका इस्तीफा स्वीकार करने का निर्देश दिया। ठाकरे ने आरोप लगाया कि बीएमसी पर लटके का इस्तीफा स्वीकार न करने का दबाव था। उन्होंने कहा, ''जिस तरीके से एक महिला (लटके) को परेशान किया गया, उससे लोगों में आक्रोश है। चाहे बीएमसी हो या राज्य सरकार, ऐसी कोशिश की गयी कि वह उपचुनाव न लड़ें।'' भारतीय जनता पार्टी ने उपचुनाव के लिए मुरजी पटेल को प्रत्याशी बनाया है। वह भाजपा और शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट के संयुक्त उम्मीदवार हैं। अंधेरी ईस्ट विधानसभा सीट पर तीन नवंबर को उपचुनाव होगा। ऋतुजा लटके के पति एवं निवर्तमान विधायक रमेश लटके के निधन के कारण इस सीट पर उपचुनाव कराना पड़ रहा है।

मुस्लिम मतदाताओं को साधने भाजपा यूपी में पहली बार करेगी पसमांदा सम्मेलन

लखनऊ (एजेंसी)।

भाजपा अपने मिशन-2024 को लेकर अभी से सक्रिय है। भाजपा की नजर अब पसमांदा मुसलमानों पर है और वह उन्हें साधने की कवायद में जुटी गई है। दरअसल, हाल में ही हैदराबाद में संपन्न भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अल्पसंख्यकों के वंचित वर्ग को अपना बनाने के बात कही थी। उसके बाद से उत्तर प्रदेश भाजपा ने पसमांदा मुसलमानों को जोड़ने की पहल की शुरुआत कर दी है। पसमांदा मुसलमानों में जो भी बुद्धिजीवी हैं, उन्हें पार्टी की ओर से साधने की लगातार कोशिश की जा रही है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश में भाजपा पहली बार पसमांदा मुसलमानों को लेकर एक सम्मेलन का आयोजन करने जा रही है। यह सम्मेलन रविवार को हो सकता है। इस सम्मेलन में भाजपा पसमांदा मुसलमानों को यह बताने की कोशिश करेगी कि उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र के मोदी सरकार ने उनके लिए क्या कुछ किया है।

दरअसल, देश में अगर लंबी राजनीति करनी है तो हर वर्ग का साथ किसी भी पार्टी के लिए बेहद जरूरी है। भाजपा को मुसलमानों का वोट कम ही मिलता है। ऐसे में पार्टी की ओर से जो पसमांदा मुसलमान हैं, उन्हें जोड़ने की कवायद की जा रही है। यूपी में सबसे ज्यादा पसमांदा मुसलमान हैं। इन्हें उत्तर प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ भी हुआ है। भाजपा का मानना है कि वह पसमांदा मुसलमानों के लिए लगातार काम कर रही है। विभिन्न योजनाओं के तहत लगभग 4-30 करोड़ से ज्यादा लोगों को फायदा हुआ है। पसमांदा मुसलमानों का वह वर्ग है जो कि पिछड़ा रहा है। हाल में उसे केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ मिला है।

जानकारी के मुताबिक इस सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद अंसारी शामिल होंगे। दानिश आजाद अंसारी पसमांदा समाज से आते हैं। उन्हें उत्तर प्रदेश कैबिनेट में शामिल किया गया है। उत्तर प्रदेश कैबिनेट में शामिल वह एकमात्र मुस्लिम मंत्री हैं। इन दोनों के अलावा उत्तर प्रदेश भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और मंत्री भी इस सम्मेलन में मौजूद रहेंगे। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विशेष रूप से राज्यसभा सांसद गुलाम अली खटाना को भी आमंत्रित किया गया है। गुलाम अली खटाना को हाल में ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उच्च सदन के लिए नामित किया था। सुबह गुर्जर बकरवाल समुदाय से आते हैं और राष्ट्रीय मुस्लिम मंच से जुड़े भी रहे हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इस समुदाय से आने वाले लोगों की तादाद ज्यादा है। जेल में बंद कराना से सपा विधायक नाहिद हसन भी पसमांदा समुदाय के गुर्जर हैं।

भारत पाकिस्तान सीमा पर दिखा ड्रोन, फायरिंग में बीएसएफ ने मार गिराया

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक पाकिस्तानी ड्रोन को बीएसएफ जवानों ने मारने में सफलता हासिल की है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार यानी 14 अक्टूबर की सुबह 4.35 बजे के आसपास शाहपुर बॉर्डर आउट पोस्ट पर ये घटना घटी है। गुरदासपुर की 73वीं बटालियन के जवानों ने फायरिंग कर ड्रोन को जमीन पर गिराया। फायरिंग किए जाने के कारण ड्रोन क्षतिग्रस्त हो गया है। जानकारी के मुताबिक ये पहला मौका है जब गुरदासपुर सैक्टर में ड्रोन को मार गिराया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद अधिकारियों ने घटना स्थल पर पहुंचकर ड्रोन की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। सुरक्षा बलों और पुलिस ने मिलकर इलाके में तलाशी अभियान चलाया हुआ है। घटना के बाद डीआईजी प्रभाकर जोशी का कहना है कि बीओपी शाहपुर में सुबह सीमा पर तैनात जवानों ने देखा कि पाकिस्तानी इलाके की ओर से एक ड्रोन पाकिस्तानी भारत की सीमा में घुस रहा है। पाकिस्तानी ड्रोन को अवैध रूप से घुसता देख जवानों ने तत्काल कार्रवाई की और ड्रोन पर 17 गोलियां चलाई। ड्रोन दिखने के बाद से ही इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

दिल्ली में 25 ठिकानों पर ईडी की रेड, जांच के दायरे में कई बड़े शराब कारोबारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली की आप सरकार की नई आबकारी नीति के निर्धारण और कार्यान्वयन में कथित घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने फिर एक बड़ी कार्रवाई की। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने दिल्ली में 25 से ज्यादा लोकेशन पर सर्च ऑपरेशन चलाया। शहर के कई बड़े शराब कारोबारियों के आवास सहित अन्य ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की है। इससे पहले 16 सितंबर को ईडी ने दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, नेल्लोर और चेन्नई सहित देशभर में 40 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान अकेले हैदराबाद में ही 25 ठिकानों पर सेंट्रेल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की रेड पड़ी थी। इसके बाद 7 अक्टूबर को भी दिल्ली, पंजाब और हैदराबाद में 35 ठिकानों पर ईडी ने छापा मारा था।

ईडी का आबकारी नीति से जुड़ा धन शोधन मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक प्राथमिकी पर आधारित है, इसमें दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और कुछ नौकरशाहों को आरोपियों के तौर पर नामजद किया गया है। सीबीआई ने 19 अगस्त को मामले में सिसोदिया (50), भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी और दिल्ली के पूर्व आबकारी आयुक्त आरव गोपी कृष्ण के दिल्ली स्थित आवास और सात राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों में 19 अन्य स्थानों पर छापे मारे थे। अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली सरकार में सिसोदिया के पास आबकारी और शिक्षा सहित कई विभाग हैं। कथित घोटाले में अब तक 3 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। इसमें आम आदमी पार्टी के आईटी सेल चीफ विजय नायर और शराब कारोबार से जुड़े समीर महेंद्रू, अभिषेक बोइनपल्ली के नाम शामिल हैं।

चीन पर पैनी नजर रखने भारत ने खरीदे इजराइली हेरॉन टीपी ड्रोन, 2 ड्रोन सेना को मिले

दो ड्रोन मार्च 2023 तक मिलने वाले

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तैनाती के लिए 2020 में सौंपी गई आपातकालीन शक्तियों के तहत खरीदा गया इजराइली हेरॉन टीपी ड्रोन सेना को साल की शुरुआत में ही मिल चुका था। रक्षा सूत्रों के अनुसार, चार नए हेरॉन टीपी ड्रोन में से दो की डिलीवरी मार्च में हो गई थी, जिसे चीन के साथ सैन्य गतिरोध के बीच निगरानी और टोही मिशन के लिए पूर्वी लद्दाख में तैनात किया गया था। सूत्रों ने कहा कि अन्य दो ड्रोनों की डिलीवरी मिलने पर उन्हें पूर्वोत्तर में एलएसी के साथ तैनात किया जाएगा।

दरअसल भारत ने चार मध्यम ऊंचाई वाले लॉन्ग ऐनडूरेंस ड्रोन खरीदने के सौदे को अंतिम रूप दे दिया है। रक्षा सूत्रों ने कहा था कि लंबे समय तक निगरानी और टोही मिशन के लिए एडवांस उपग्रह संचार और सेंसर के साथ मेल ड्रोन को अपग्रेड करने की भी योजना है। वहीं प्रोजेक्ट चीता नामक एक नई परियोजना के तहत उन्हें सटीक हमलों के लिए हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों और लेजर-निर्देशित हथियारों से लैस किया जाएगा। भारत अमेरिका से 30 एमक्यू-9वी हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस सशस्त्र ड्रोन खरीदने की भी योजना बना रहा है। कुल 3 बिलियन डॉलर देकर तीनों सेनाओं के लिए दस ड्रोन लिए जाएंगे। हालांकि अभी तक इस दिशा में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। एडवांस मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) की एक श्रृंखला की खरीद पर पिछले दो वर्षों में तीनों सेनाओं का फोकस रहा है। नौसेना 40 नौसैनिक जहाज के लिए यूएवी खरीदने की प्रक्रिया में है, इसके लिए नौसेना ने इस साल की शुरुआत में एक अधिसूचना जारी की थी। नौसेना ने 2020 में, फास्ट ट्रैक रूट के माध्यम से 10 नौसैनिक यूएवी खरीदने की प्रक्रिया शुरू की थी। साथ ही 2020 में अमेरिका से लीज पर दो प्रीडेटर ड्रोन भी लिए थे। वहीं एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने बताया कि भारतीय वायु सेना यूएवी, काउंटर-यूएवी की एक श्रृंखला की खरीद और यूएवी के अपने मौजूदा बेड़े को हथियारबंद बनाने की प्रक्रिया में है। थल सेना भी निगरानी और लक्ष्य प्राप्ति के उद्देश्यों के लिए अलग-अलग श्रेणियों के साथ विशिष्ट मात्रा में यूएवी भी खरीद रही है, जिसमें लड़ाकू भूमिकाओं और ड्रोन-विरोधी प्रणालियों के लिए युद्ध सामग्री शामिल है। पिछले साल, सेना ने 100 से अधिक विस्फोटक ले जाने वाले ड्रोन 'स्काईस्ट्राइकर' की खरीद के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। जिसे इजराइल के एल्बिट सिस्टम और भारत के अल्फा डिजाइन के बीच बेंगलुरु स्थित संयुक्त उद्यम द्वारा निर्मित किया जाएगा।

कांग्रेस-पंवार के साथ सीपीआई का साथ, ठाकरे के लिए नाक का सवाल बना उपचुनाव

मुंबई (एजेंसी)।

पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे को सीएम एकनाथ शिंदे ने एक के बाद एक कई झटके दिए हैं। 40 विधायकों की बगावत का नेतृत्व कर ठाकरे से पहले महाराष्ट्र की गद्दी छीनी। इसके बाद 12 सांसदों ने भी उद्धव का साथ छोड़ दिया। इसके बाद उद्धव की पकड़ शिवसेना पर भी कमजोर होती गई। कई इलाकों में स्थानीय नेताओं ने उनका साथ छोड़कर शिंदे कैंप में अपनी जगह बनाई। तमाम सियासी उठापटक के बीच अंधेरी पूर्वी विधानसभा सीट पर उपचुनाव की तारीख नजदीक आ गई, यह देखकर चुनाव आयोग ने शिवसेना और तीर-धनुष सिंबल को अगले आदेश तक के लिए फ्रीज कर दिया है। दोनों ही खेमों को अलग-अलग सिंबल और पार्टी का नाम दिया गया है।

सीएम शिंदे की बगावत के बाद सियासी रुप से कमजोर हो चुके उद्धव ठाकरे को नए सिंबल और नए नाम के साथ उपुचनाव में अपनी ताकत दिखानी होगी। यह उपचुनाव उनके लिए किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। ऐसा इसलिए कि इस सीट से उनके ही खासमखास रमेश लटके विधायक थे। उनके निधन के बाद यह सीट खाली हो गई थी। इस चुनाव में उद्धव ठाकरे ने बीएमसी में कार्यरत उनकी पत्नी ऋतुजा लटके को उम्मीदवार बनाया है। अंधेरी पूर्वी विधानसभा सीट पर होने वाला यह उपचुनाव कई मायने में खास है। इस उपचुनाव में एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे, दोनों की ही अग्निपरीक्षा होगी। उद्धव ठाकरे को यहां हर हाल में जीत हासिल करना होगा। यहां अगर उनका खेमा चुनाव हारता है, तब शिंदे और फडणवीस की जोड़ी इस संदेश को पूरे बीएमसी में लेकर जाएगी। देश के सबसे अमीर नगर निगम बीएमसी का चुनाव उद्धव का लिए काफी अहम है। पार्टी को फिर से खड़ा करने के लिए उन्हें यह उपचुनाव और बीएमसी का चुनाव हर हाल में जीतना होगा।

ठाकरे इस उपचुनाव की अहमियत को समझते हैं। इसके बाद उन्होंने पार्टी का नया नाम और सिंबल मिलते ही सबसे पहले कांग्रेस पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से बात की। इसके बाद उन्होंने शरद पवार से भी संपर्क साधा। कांग्रेस और एनसीपी दोनों ने ही अंधेरी उपचुनाव में

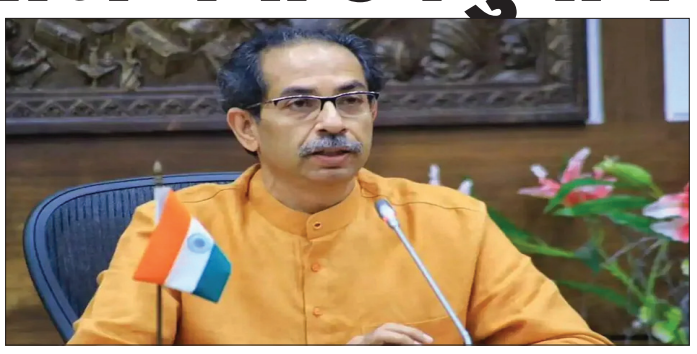

अपना समर्थन उद्धव गुट के कैंडिडेट को देने का ऐलान किया है। इतना ही नहीं, इसके बाद उद्धव ने भारतीय कॉम्यूनिस्ट पार्टी (सीपीआई) से भी हाथ मिलाया है, जो कि लगातार हिंदुत्व की विचारधारा का विरोध करती रही है। दोनों पार्टी कभी मुंबई में एक-दूसरे के कट्टर प्रतिद्वंदी हुआ करती थी, लेकिन इस उपचुनाव में सीपीआई ने उद्धव गुट के प्रत्याशी को समर्थन देने का फैसला किया है।